महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 37 | उज्जैन, शुक्रवार 17 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

प्रतिदिन सुप्रभात करने का यही एक आशय है कि मुलाकात चाहे जब भी हो अपनेपन का अहसास प्रतिदिन महसूस होता रहे...

न्यूज ब्रीफ

पुरी रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से 2 श्रद्धालुओं की मौत, 150 से ज्यादा अस्पताल में भर्ती

पुरी/ जीएनएस। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान गुरुवार को ओडिशा के पुरी में बड़ा हादसा हो गया। मरिचिकोट चौक के पास अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिससे दम घुटने के कारण दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं, विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं और भीड़ के दबाव से प्रभावित 150 से अधिक लोगों को पुरी जिला मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 2 बजे मरिचिकोट चौक के निकट श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने से कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। इसी दौरान दो श्रद्धालु अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तत्काल पुरी जिला मुख्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। उधर, रथयात्रा के दौरान गर्मी, भीड़ और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते 150 से अधिक श्रद्धालुओं का पुरी जिला मुख्य अस्पताल में उपचार चल रहा है। इस दुखद घटना के बाद श्रीक्षेत्र पुरी में शोक का माहौल है। प्रशासन श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने की अपील कर रहा है।

सिया गोयल के परिवार की दुकानों पर खाद्य विभाग ने जड़ा ताला

पुणे/ जीएनएस। पुणे के चर्चित रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड में मुख्य आरोपित सिया गोयल के परिवार की मसाला और ड्राई फ्रूट्स की दुकान पर महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कार्रवाई की है। विभाग ने नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए दुकान को अगले आदेश तक कारोबार बंद करने का नोटिस जारी किया है। एफडीए अधिकारियों के अनुसार, पुणे के मार्केट यार्ड स्थित एम/एस बीजी गोयल एंड कंपनी नाम की यह दुकान सिया गोयल के परिवार की है। जांच के दौरान पाया गया कि दुकान ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जरूरी नियमों का पालन नहीं किया था। इसके बाद विभाग ने कार्रवाई करते हुए दुकान का संचालन रोकने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान एफडीए की टीम ने संत और साधु ब्रांड के हल्दी पाउडर, तिल और सोयाबीन बड़ी सहित चार खाद्य उत्पादों के नमूने जांच के लिए। साथ ही करीब 4,172 किलोग्राम खाद्य सामग्री जब्त कर ली गई, जिसकी कीमत लगभग 8.14 लाख रुपये बताई गई है। विभाग को इन उत्पादों की लेबलिंग में गड़बड़ी और मिलावट की आशंका है। इसके अलावा लाइसेंस संबंधी जरूरी जानकारी भी समय पर अपडेट नहीं की गई थी। उधर, केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच कर रही पुणे पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम राजस्थान भी पहुंची है। जांच में सामने आया है कि सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी पिछले वर्ष दिसंबर में राजस्थान गए थे। पुलिस को दोनों के बीच हुई चैट से संकेत मिले हैं कि उन्होंने वहां किसी मंदिर में गुप्त रूप से शादी की थी। पुलिस ने संबंधित मंदिर में जाकर जांच की और सीसीटीवी फुटेज भी तलाशे, लेकिन शादी की पुष्टि करने वाला कोई सुबूत नहीं मिला। गौरतलब है कि सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर ट्रेकिंग के दौरान सिया के मंगेतर केतन अग्रवाल को खाई में धक्का देकर हत्या करने का आरोप है। दोनों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

मध्यप्रदेश बना निवेशकों की पहली पसंद : दिल्ली के दो बड़े आयोजनों में 20,193 करोड़ के मिले निवेश प्रस्ताव

निवेश संवाद में हुए 7 महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश ने नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स-2026 तथा इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दोनों आयोजनों में प्रदेश को 20,193 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे लगभग 27,592 लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों, उद्योगपतियों और वैश्विक ब्रांड प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश को देश का उभरता हुआ औद्योगिक एवं टेक्सटाइल हब बताया और उन्हें जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (त्वढ्ढस्-2027) में भाग लेने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों को अनुकूल नीतियां, मजबूत अधोसंरचना, कुशल मानव संसाधन और त्वरित प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध करा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन निवेश प्रस्तावों, साझेदारियों और एमओयू के माध्यम से मध्यप्रदेश देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में अपनी स्थिति और अधिक सुदृढ़ करेगा तथा विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

भारत मंडपम में आयोजित टेक्सटाइल राउंडटेबल में प्रदेश के वस्त्र एवं परिधान उद्योग, पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क, तकनीकी वस्त्र, निर्यात संवर्धन, कौशल विकास और निवेश प्रोत्साहन पर विस्तृत चर्चा हुई। इस आयोजन में 1,592 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 15,700 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

इंटरैक्टिव सेशन के दौरान एमपीआईडीसी ने निर्यात संवर्धन, ई-कॉमर्स, वैश्विक व्यापार, एमएसएमई और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सात महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। साथ ही रक्षा, डेटा सेंटर, आईटी, एआई, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, पर्यटन और खाद्य प्रसंस्करण सहित अनेक क्षेत्रों में निवेश अवसर प्रस्तुत किए गए।

दिल्ली निवेश संवाद में रक्षा, डेटा सेंटर, ट्रांसफॉर्मर निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, इंजीनियरिंग और खिलौना उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18,601 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 11,892 रोजगार सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य को साकार करने में मध्यप्रदेश पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए नीति, नीयत, प्रतिभा, प्रवृत्ति, सुविधा, सामर्थ्य, ऊर्जा, उत्साह, सेवा और सुरक्षा की गारंटी लेकर आगे आया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली स्थित होटल द लीला पैलेस में आयोजित इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए देश-विदेश के निवेशकों को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे औद्योगिक राज्यों में शामिल है। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर से अधिक सड़क नेटवर्क, सुदृढ़ रेल संपर्क, 8 क्रियाशील एयरपोर्ट, 6 अंतर्देशीय कंटेनर डिपो, एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक कॉरिडोर, ग्रीन कॉरिडोर और आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना उपलब्ध है। उद्योगों के लिए सवा लाख एकड़ से अधिक लैंड बैंक, पर्याप्त बिजली एवं जल की उपलब्धता तथा नए औद्योगिक क्षेत्रों, फूड पार्क, आईटी पार्क, प्लग एंड प्ले औद्योगिक पार्कों और मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

स्कूल जिहादी एजेंडा थोपने का सेंटर न बने, हैदराबाद में छात्र को कलमा पढ़वाने पर भाजपा ने साधा निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। हैदराबाद के एक निजी स्कूल में कक्षा-2 के एक हिंदू छात्र को एक शिक्षिका द्वारा कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया, जिससे छात्र के माता-पिता और स्थानीय निवासियों में गुस्सा और आक्रोश फैल गया। यह घटना तेलंगाना स्थित हैदराबाद के सैदाबाद क्षेत्र में हुई। जैसे ही स्कूल पर चारों ओर से आलोचना हुई प्रबंधन ने गुरुवार को शिक्षिका की सेवाएं समाप्त कर दीं।

एक महिला द्वारा स्कूल अधिकारियों से बहस करने का एक वीडियो वायरल हो गया है। कक्षा-2 के छात्र को स्कूल की डायरी में एक होमवर्क के रूप में कलमा और सूरा पढ़ने का काम दिया गया था। जैसे ही माता-पिता को शिक्षक द्वारा इस्लामी धार्मिक ग्रंथों को याद करने के निर्देश के बारे में पता चला, उन्होंने स्कूल प्रशासन से संपर्क कर अपना विरोध दर्ज कराया।

उन्होंने स्कूल के अनुचित आचरण पर सवाल उठाते हुए पूछा कि बच्चों के लिए शैक्षणिक वातावरण को बिगाड़ने के प्रयास क्यों किए जा रहे हैं। कुछ वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें माता-पिता स्कूल प्राधिकरण के साथ वाद-विवाद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। माता-पिता ने स्कूल प्राधिकरण पर कठोर और त्वरित कार्रवाई की मांग की।

मामला तब और बढ़ गया जब स्थानीय समुदाय के सदस्य माता-पिता के साथ मिलकर स्कूल में अमानवीय प्रथाओं के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। चारों ओर से आलोचना का सामना करते हुए स्कूल ने शिक्षक की सेवाएं समाप्त कर दीं। 16 जुलाई के एक आदेश में स्कूल ने शिक्षिका शेख आयशा परवीन को संबोधित करते हुए कहा, आपकी सेवाएं स्कूल में मातृ शिक्षक के रूप में समाप्त की जाती हैं।

वृद्ध और गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि वे तीन महीने के भीतर वृद्ध या गंभीर रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र या पूर्व रिहाई के लिए एक नीति तैयार करें।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस निर्णय की तारीख से तीन महीने के भीतर वृद्ध और/या गंभीर रूप से बीमार कैदियों की शीघ्र या पूर्व रिहाई के लिए एक व्यापक नीति तैयार और अधिसूचित करनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए निर्देश- जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने गुरुवार को कहा कि नीति में रिहाई के लिए पात्रता मानदंड और प्रक्रियात्मक ढांचे को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए और विशेष रूप से, इसमें गंभीर बीमारी की स्पष्ट और समान परिभाषा प्रदान की जानी चाहिए।

पीठ ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) द्वारा दायर एक याचिका पर अपना निर्णय सुनाया, जिसमें गंभीर रूप से बीमार या 70 वर्ष से अधिक आयु के कैदियों को जमानत पर रिहा करने की मांग की गई थी।

जस्टिस मेहता ने कहा कि नीति को संबंधित राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के साथ परामर्श करके तैयार किया जाना चाहिए ताकि संस्थागत समन्वय सुनिश्चित हो सके और पात्र कैदियों की प्रभावी पहचान की जा सके।

प्रदेश अध्यक्ष बदलना गुड्डे-गुड़ियों का खेल नहीं... दबाव की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा कांग्रेस हाईकमान

नई दिल्ली/ जीएनएस। अगले विधानसभा चुनाव के लिए सिरदर्द बने पंजाब कांग्रेस के अंदरूनी घमासान का नए सिरे से समाधान निकालने के लिए पार्टी ने शीर्ष स्तर पर बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। इसके साथ ही कांग्रेस नेतृत्व ने साफ संकेत दे दिया है कि बगावत का झंडा उठाकर पार्टी हित की कीमत पर निजी राजनीतिक महत्वाकांक्षा साधने के प्रयासों को सहन नहीं किया जाएगा।

हाईकमान ने यह इशारा भी कर दिया है कि गुटबाजी और सार्वजनिक बयानबाजी के जरिये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदलने का दबाव बनाने का पैंतरा भी स्वीकार्य नहीं है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल ने संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल को सूबे में पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी से संबंधित अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद कहा कि प्रदेश का पार्टी प्रधान बदलना कोई गुड्डे-गुड़ियों का खेल नहीं है।

कांग्रेस हाईकमान के इन संदेशों से साफ है कि पंजाब में अंदरूनी कलह का हल आपसी बातचीत और सद्भाव से ही निकाला जाएगा तथा किसी एक गुट के दबाव में पार्टी हित की कुर्बानी नहीं दी जाएगी।

बघेल द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के बाद पार्टी सूत्रों की ओर से संकेत साफ हैं कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सीधे तौर पर शायद ही गुटबाजी के संदर्भ में पंजाब के नेताओं से बातचीत करेंगे।

इसके बजाय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को हटाने के लिए विद्रोह का झंडा उठाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी से लेकर सुखजिंदर सिंध रंधावा जैसे तमाम नेताओं से बातचीत करेंगे।

मुंबई कोस्टल रोड की सुरंग में कार में लगी आग, वाहनों की आवाजाही रोकी गई

मुंबई/ जीएनएस। मुंबई के कोस्टल रोड की सुरंग में बुधवार दोपहर एक चलती कार में अचानक आग लग गई, जिससे वाहन चालकों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, करीब 20 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया और घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

नगर निगम के एक अधिकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 12¬25 बजे हाजी अली से वर्ली की ओर जाने वाली सुरंग में हुई। कार में आग लगने के बाद मुंबई अग्निशमन दल, पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं।

करीब 12¬45 बजे आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। आग लगने के कारण का तत्काल पता नहीं चल सका है। घटना के दौरान सुरंग में पीछे कई वाहन फंस गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली, सैफुद्दीन सोज की मांग पर भाजपा ने कांग्रेस के घेरा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भाजपा ने बुधवार को कांग्रेस को उसके नेता सैफुद्दीन सोज की उस मांग पर घेरा, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग की है। भाजपा ने इस मांग को राष्ट्र विरोधी करार दिया और कांग्रेस से पूछा कि क्या उनके नेता का यह बयान पार्टी की आधिकारिक लाइन है या उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा की यह प्रतिक्रिया जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सोज के उस बयान पर आया, जिसमें उन्होंने बुधवार को कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को दिल्ली के जंतर-मंतर पर अपना विरोध-प्रदर्शन जम्मू-कश्मीर का केवल राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग तक सीमित नहीं रखना चाहिए बल्कि अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग भी उठानी चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों का वास्तविक मुद्दा आंतरिक स्वायत्तता है और उन्हें 370 की बहाली के लिए संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, ÷हमारी युवा पीढ़ी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि हम एक मुस्लिम बहुल राज्य हैं, भारत में शामिल हुए, जो हिंदू बहुल देश है।÷

इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने सोज की टिप्पणी को राष्ट्र विरोधी बताया और कांग्रेस से पूछा कि क्या उनके नेता का यह विचार पार्टी का आधिकारिक रुख है।

उन्होंने कहा, ÷ऐसे कैसे हो सकता है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी रहस्यमयी विदेश यात्रा से लौटें और भारत विरोधी कोई बयान न आए। उनके भारत की धरती पर कदम रखते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैफुद्दीन सोज का एक बेहद निंदनीय, राष्ट्र विरोधी और आपत्तिजनक बयान सामने आया।÷

उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से स्पष्ट जवाब चाहते हैं। जबकि भाजपा के एक अन्य प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस जम्मू-कश्मीर के लिए केवल राज्य का दर्जा ही नहीं बल्कि अनुच्छेद 370 की बहाली भी चाहती है।

जम्मू-कश्मीर में नार्को-टेरर पर बड़ा प्रहार, SIA के केस में 10 पाकिस्तान समर्थित तस्करों पर आरोप तय

नई दिल्ली/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी के जरिए आतंकवाद को वित्तीय मदद पहुंचाने वाले कथित पाकिस्तान समर्थित नार्को-टेरर नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कानूनी कार्रवाई में विशेष एनआईए अदालत ने एसआईए कश्मीर के बहुचर्चित मामले में 10 आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। इसके साथ ही मुकदमे की नियमित सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

जांच में कुल 16 आरोपितों की पहचान हुई थी। इनमें एक आतंकी सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि पांच फरार हैं। फरार आरोपितों में चार पाकिस्तान में छिपे जम्मू-कश्मीर के पुराने आतंकी हैंडलर हैं और एक अन्य आरोपी देश के भीतर कहीं छिपा हुआ है।

एसआईए कश्मीर के अनुसार यह मामला अक्टूबर 2022 में थाना एसआईए में दर्ज एफआईआर संख्या 19/2022 के तहत सामने आया था। खुफिया सूचनाओं पर शुरू हुई जांच में खुलासा हुआ कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) स्थित संचालक नियंत्रण रेखा (एलओसी) के जरिए जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी कराते थे।

जांच एजेंसी के अनुसार तस्करी से अर्जित धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण और आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने में किया जाता था। जांच में कुल 16 आरोपितों की पहचान हुई, जिनमें चार पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर हैं। इनमें 10 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं, एक स्थानीय आरोपित फरार है, जबकि चार पाकिस्तान में छिपे घोषित अपराधी हैं। मामले का एक आरोपित मुश्ताक अहमद मलिक उर्फ राही मुठभेड़ में मारा जा चुका है। एसआईए कश्मीर ने मामले में सभी 16 आरोपितों के खिलाफ छह विस्तृत आरोपपत्र अदालत में दाखिल किए हैं। जांच के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे तीन घोषित अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया।

'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान से जुड़े सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स, पुलिस के साथ लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान को अब सोशल मीडिया का भी मजबूत साथ मिल गया है। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने गुरुवार को मीडिया प्रतिनिधियों, सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के साथ विशेष संवाद एवं सेमिनार का आयोजन किया, जिसमें नशे के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश डंडोतिया सहित 200 से अधिक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और मीडिया प्रतिनिधि शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में ड्रग्स की बढ़ती प्रवृत्ति गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम जनजागरूकता है और इसमें मीडिया तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी इन्फ्लूएंसर्स और मीडिया प्रतिनिधियों से अपनी व्यापक पहुंच का उपयोग करते हुए समाज के हर वर्ग तक नशे से दूर रहने का संदेश पहुंचाने की अपील की।

इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर्स ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार, मित्रों तथा समाज के अन्य लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान एक सामाजिक संस्था के विशेष बच्चों ने अपनी पेंटिंग और जागरूकता स्लोगन के माध्यम से नशामुक्त समाज का प्रेरक संदेश दिया, जिसकी पुलिस आयुक्त ने सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश डंडोतिया ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए नशे के दुष्परिणामों, उससे बचाव के उपायों और जनभागीदारी की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है।

संवाद कार्यक्रम के बाद सभी प्रतिभागियों ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय से पलासिया चौराहे तक जागरूकता रैली निकाली। रैली में पोस्टर, पंपलेट और नशा विरोधी स्लोगन वाली तख्तियों के माध्यम से आमजन को नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश दिया गया। इंदौर पुलिस ने विश्वास जताया कि सोशल मीडिया और मीडिया की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान शहर के हर घर तक पहुंचेगा और नशामुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इंदौर विकास प्राधिकरण का तीन दिवसीय शिविर प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा विभिन्न योजनाओं में लीज़ पर आवंटित संपत्तियों के बकायेदारों से वार्षिक लीज़ रेंट जमा कराने के लिए तीन दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 16 जुलाई से 18 जुलाई 2026 तक योजना क्रमांक 74-सी स्थित पानी की टंकी के पास, कस्तूरी सभागृह के समीप स्थित जोनल कार्यालय में आयोजित किया गया है। शिविर प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक संचालित किया जाएगा। आईडीए ने सभी बकायेदारों से निर्धारित अवधि में शिविर में पहुंचकर अपना वार्षिक लीज़ रेंट जमा कराने की अपील की है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। इस विशेष शिविर में योजना क्रमांक 50, 53, 54, 55, 74, 77, 78, 113, 114, 117, 121, 134, 136, 139 और 159 के लीज़धारकों को शामिल किया गया है। संबंधित योजनाओं के आवंटियों को अपने बकाया लीज़ रेंट का भुगतान शिविर स्थल पर ही करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर का उद्देश्य बकायेदारों को एक ही स्थान पर सरल और सुविधाजनक तरीके से लीज़ रेंट जमा कराने की सुविधा उपलब्ध कराना है। प्राधिकरण ने संबंधित सभी लीज़धारकों से समय पर शिविर में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ लेने का आग्रह किया है।

जोन-21 वार्ड समिति की बैठक में महापौर सख्त, विकास कार्य समय-सीमा में पूरे करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में गुरुवार को नगर निगम के जोन क्रमांक-21 की वार्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक मधु वर्मा, महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा 'बबलू', जोन अध्यक्ष एवं पार्षद प्रशांत बडवे, पार्षद लक्ष्मी वर्मा, जोनल अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और निगम अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक में वार्ड समिति के एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए विभिन्न वार्डों में चल रहे विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं, स्वच्छता, जल प्रदाय, सड़क, नाली, उद्यान, प्रकाश व्यवस्था और अन्य जनहित से जुड़े कार्यों की समीक्षा की गई।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहर के विकास में जोनल कार्यालयों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। नगर निगम के 22 जोनल कार्यालयों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और प्रयास होना चाहिए कि लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार निगम मुख्यालय या जोनल कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सेवाएं सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

महापौर ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि नगर निगम कार्यालय आने वाले प्रत्येक नागरिक के साथ संवेदनशीलता, शालीनता और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का सकारात्मक व्यवहार ही नगर निगम की अच्छी छवि बनाता है और नागरिकों का विश्वास मजबूत करता है। प्रशासन की पहचान केवल विकास कार्यों से नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति उसके व्यवहार से भी होती है।

उन्होंने कहा कि फॉगिंग जैसे छोटे-छोटे कार्य भी नागरिकों के बीच सकारात्मक संदेश देते हैं और यह भरोसा पैदा करते हैं कि नगर निगम उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा और सुविधाओं के प्रति गंभीर है। ऐसे प्रयास निगम की सकारात्मक छवि को और मजबूत करते हैं।

बैठक के दौरान महापौर ने परिषद के वर्तमान कार्यकाल के शेष समय को विकास कार्यों की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत और प्रगतिरत सभी विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए।

इंदौर में गूंजेगा 'नशे से दूरी है ज़रूरी' का संदेश, पुलिस ने जागरूकता रथों को किया रवाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं और आमजन को ड्रग्स के बढ़ते खतरे तथा उसके गंभीर दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत विशेष जनजागरूकता रथों को रवाना किया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर इन रथों को शहरभर में जागरूकता अभियान के लिए रवाना किया।

पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक पूरे प्रदेश में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस लगातार विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर रही है। इसी कड़ी में शुरू किए गए दो विशेष जागरूकता रथ अगले 15 दिनों तक शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को नशे के खिलाफ जागरूक करेंगे।

इन जागरूकता रथों में लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से शॉर्ट फिल्में, वीडियो संदेश, जागरूकता फिल्में और प्रभावी स्लोगन प्रदर्शित किए जाएंगे। इनके जरिए युवाओं और आम नागरिकों को ड्रग्स से दूर रहने, स्वस्थ जीवन अपनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जाएगा।

इस अवसर पर पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से इस अभियान से जुड़कर नशामुक्त इंदौर और नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, पुलिस उपायुक्त अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया, ट्रेनी डॉक्टर्स, पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी, कार्यालयीन स्टाफ, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

इंदौर पुलिस का कहना है कि नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के माध्यम से शहर के हर वर्ग तक जागरूकता का संदेश पहुंचाया जाएगा, ताकि युवाओं को नशे की लत से बचाया जा सके और एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

वार्ड-80 में 1.50 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन, शासकीय कन्या स्कूल में बनेंगे 16 नए कक्ष

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम शहर में शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। इसी क्रम में झोन क्रमांक-21 के वार्ड क्रमांक-80 स्थित धनवंतरी नगर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लगभग 1 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से 16 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक मधु वर्मा ने किया।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान झोन अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद प्रशांत बडवे ने बताया कि इंदौर में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी है। शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विद्यालय में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे छात्राओं को बेहतर अध्ययन सुविधाएं मिलेंगी और बढ़ती छात्र संख्या के अनुरूप पर्याप्त कक्ष उपलब्ध हो सकेंगे। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम शहर के समग्र विकास के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बेहतर अधोसंरचना विकसित होने से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुकूल वातावरण मिलेगा और शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम में महापौर परिषद सदस्य अभिषेक शर्मा बबलू, झोन अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद प्रशांत बडवे, विद्यालय के प्राचार्य, जनप्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को आधुनिक और सुविधाजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा तकनीकी समिति में मध्य प्रदेश को मिला महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व : ऊर्जा मंत्री

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश ने विद्युत क्षेत्र की साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर-सीआईआई) के संरक्षण एवं सुरक्षा मूल्यांकन के लिए अनुरूपता मूल्यांकन ढांचा (कॉनफॉर्मिटी असेसमेंट फ्रेमवर्क-सीएएफ) विकसित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी समिति का गठन किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी), जबलपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश कुमार गुप्ता को इस प्रतिष्ठित तकनीकी समिति का सदस्य नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि देश के सभी भार प्रेषण केंद्रों तथा राज्य स्तरीय विद्युत संस्थाओं में से चयनित होने वाले वे एकमात्र विशेषज्ञ अधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि यह समिति अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ऐसी रूपरेखा तैयार करेगी, जिससे विद्युत क्षेत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण अवसंरचनाओं की साइबर सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके तथा बढ़ते साइबर खतरों एवं चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को स्वाधीनता दिवस पर मिलेगी नई सौगात, 25 नये मार्गों पर 85 सिटी बसों का होगा संचालन

ई-बसों के लिए बस स्टॉप और चार्जिंग स्टेशन बनाने के दिए निर्देश - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में आज रेसीडेंसी कोठी पर सांवेर विधानसभा क्षेत्र में सिटी बसों की संख्या बढ़ाने को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री श्री सिलावट द्वारा सांवेर विधानसभा क्षेत्र में संचालित की जा रही सिटी बसों की प्रगति रिपोर्ट देखी और उसकी समीक्षा की। बैठक में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विस लिमिटेड इंदौर के कार्यकारी निदेशक श्री अर्थ जैन एवं सहायक सचिव सिटी बस ऑपरेटर श्री संदीप त्रिवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर लोक परिवहन सुविधा देने के लिए बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। आगामी 15 अगस्त - स्वाधीनता दिवस से सांवेर विधानसभा क्षेत्र में 85 नई सिटी बसों का संचालन किया जाएगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में नई बसों के शुरू हो जाने के बाद नागरिकों को लोक परिवहन की बेहतर सुविधाएं और इससे रोजगार भी मिलेंगे।

सांवेर विधानसभा में नई बसें के लिए 25 से अधिक नये मार्ग बनाये जाएंगे। उन्होंने बताया कि नई बसों का मार्ग सांवेर से चन्द्रावतीगंज, कांकरिया बोर्डिया से सांवेर तथा पालिया से चन्द्रावतीगंज, शिप्रा से रेलवे स्टेशन इंदौर, शिप्रा से सांवेर, खुडेल से बस स्टैंड इंदौर, नवलखा बस स्?टैंड से शिवनी गांव, रेलवे स्टेशन इंदौर से पेडमी गांव, देवगुराड़िया से डबल चौकी देवास के साथ ही बसांदा अजनोद, कछलिया आदि क्षेत्रों में बस संचालित होगी। मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई बसों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित करें। ई-बसों के चार्जिंग के लिए चार्जिंग स्टेशन और बस स्टॉप भी बनाए जाए। बैठक में बताया गया कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में विभिन्न मार्गों पर 40 सिटी बसें चलाई जा रही है, जिसमें इलेक्ट्रीक बसें भी शामिल है।

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 13.43 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत जागरूकता के साथ-साथ नशे के सौदागरों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में तुकोगंज थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 13.43 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1.50 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर तुकोगंज थाना पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान धेनू मार्केट वाली गली, नेहरू पार्क के पीछे एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम सूरज वर्मा (30 वर्ष), निवासी काजी की चाल, इंदौर बताया। विधिवत तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक पारदर्शी पन्नी में रखी 13.43 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी के खिलाफ तुकोगंज थाने में अपराध क्रमांक 347/26 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह मादक पदार्थ कहां से लाया और इसे किसे सप्लाई करने वाला था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पर पहले से ही लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट और मारपीट सहित करीब आठ आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

इस कार्रवाई में उप निरीक्षक शिवराज सिंह ठाकुर, प्रधान आरक्षक देवेंद्र जादौन, प्रधान आरक्षक राजीव यादव, आरक्षक राहुल जाट, राहुल यादव और मनीष की सराहनीय भूमिका रही। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मास्टर प्लान सड़कों का निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त, धीमी प्रगति पर एजेंसी को लगाई फटकार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार सुबह शहर में निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़कों का निरीक्षण कर विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एमआर-9 रोड से मालवीय नगर होते हुए एलआईजी लिंक रोड तक बन रही सड़क के कार्यों की समीक्षा की और निर्माण कार्य की धीमी गति पर संबंधित एजेंसी व अधिकारियों को फटकार लगाते हुए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने मालवीय नगर क्षेत्र में चैंबर स्ट्रेथनिंग और सड़क निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। वहीं नर्मदा पाइपलाइन बिछाने का कार्य समय पर पूरा नहीं होने पर संबंधित सहायक यंत्री को भी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

स्थानीय नागरिकों ने आयुक्त को बताया कि सड़क के बीच से गुजर रही सीवर लाइन बार-बार चोक हो रही है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर आयुक्त ने संबंधित उपयंत्री और जोनल स्टाफ को मौके पर मौजूद रहकर पूरी सीवर लाइन और चैंबर की तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी को भी चेतावनी दी कि निर्माण सामग्री किसी भी स्थिति में चैंबर में न जाए, ताकि भविष्य में सीवर लाइन चोक होने की समस्या न बने। इसके बाद आयुक्त ने मधुमिलन चौराहे से छावनी चौराहे तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया और लक्ष्मीनारायण चौराहे से छावनी चौराहे तक सड़क निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने जंजीरवाला चौराहे से दबंग दुनिया प्रेस तक सड़क निर्माण कार्य भी तत्काल प्रारंभ करने को कहा।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने हाईकोर्ट चौराहे पर लेफ्ट टर्न चौड़ीकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लैंटर्न चौराहे से हुकुमचंद घंटाघर की ओर जाने वाले लेफ्ट टर्न का विकास कार्य एक सप्ताह के भीतर पूरा किया जाए, ताकि यातायात सुगम हो सके।

नगर निगम के अनुसार हाईकोर्ट चौराहा शहर के सबसे व्यस्त चौराहों में से एक है और यहां लेफ्ट टर्न संकरा होने के कारण लंबे समय से यातायात प्रभावित हो रहा था। इस समस्या के समाधान के लिए सीटी सेंटर व्यापारिक एसोसिएशन ने आगे बढ़कर निगम को भूमि उपलब्ध कराई, जिसके बाद लेफ्ट टर्न चौड़ीकरण का कार्य संभव हो सका।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री पी.एस. कुशवाह, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल सहित संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। आयुक्त ने सभी निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि शहर के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाल सुरक्षा और पॉक्सो एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर भोपाल में 17 जुलाई को राज्य स्तरीय कार्यशाला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह एक दिवसीय कार्यशाला आगामी 17 जुलाई 2026 को आयोजित होगी, जिसमें विषय-विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।

कार्यशाला का मुख्य विषय लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो एक्ट) एवं किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण अधिनियम, 2015) के प्रभावी क्रियान्वयन में बाल कल्याण समितियों की भूमिका÷ रखा गया है। कार्यक्रम का आयोजन भोपाल के नेहरू नगर स्थित धन्वंतरी मार्ग पर एम.पी. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एम.पी.सी.एस.टी.) विज्ञान भवन के सभागार में किया जाएगा। कार्यशाला का शुभारंभ सुबह 10-00 बजे से होगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्देश्य संकटग्रस्त, बेसहारा और पीड़ित बच्चों की कानूनी सहायता, देखरेख व उनके पुनर्वास में बाल कल्याण समितियों की भूमिका को और अधिक मजबूत व संवेदनशील बनाना है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने हेल्प डेस्क, लोक सेवा केंद्र और नकल शाखा का औचक निरीक्षण किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप आमजन को समयबद्ध, सरल एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन लगातार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बना रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क, नकल शाखा एवं लोक सेवा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कलेक्टर कार्यालय में आने वाले प्रत्येक आवेदक को त्वरित मार्गदर्शन एवं समय पर समाधान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अनावश्यक रूप से भटकना या परेशान नहीं होना पड़े। इसी उद्देश्य से हेल्प डेस्क की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे नागरिकों को जनसुनवाई तक की प्रतिक्षा न करना पड़े व त्वरित समस्या का निराकरण किया जा सकें। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि हेल्प डेस्क पर वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाएगी। इससे प्रत्येक आवेदन पर गंभीरता से कार्रवाई सुनिश्चित होगी तथा नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया जा सकेगा।

उन्होंने लोक सेवा केंद्र की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी सेवाएं अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और नागरिक हितैषी तरीके से संचालित हों, ताकि अधिक से अधिक लोग इनका लाभ उठा सकें। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा विकसित चैटबॉट का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि चैटबॉट के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं जानकारियों का लाभ घर बैठे ही आसानी से उपलब्ध कराया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने नकल शाखा का निरीक्षण कर राजस्व अभिलेखों एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की नकल निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नकल शाखा की कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है, ताकि नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज बिना विलंब के प्राप्त हो सकें।

महिला सशक्तिकरण की दिशा में संकल्पित मंदसौर की अभिनव पहल, निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम सहकारिता है। जब महिलाएँ संगठित होकर सहकारी संस्था के माध्यम से उत्पादन, विपणन और स्वरोजगार से जुड़ती हैं, तब वे केवल आत्मनिर्भर नहीं बनतीं, बल्कि अपने परिवार, समाज और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उक्त विचार सहकार भारती मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री राधेश्याम जी जलक्षत्री ने मंदसौर सुख समृद्धि वेलफेयर सोसायटी संकल्पित मंदसौर द्वारा दिनांक 13, 14 और 15 जुलाई 2026 से पिपलिया मंडी में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह में व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के साथ यदि सतत मार्गदर्शन और विपणन की व्यवस्था मिले, तो पिपलिया मंडी की महिलाएँ निश्चित रूप से आत्मनिर्भरता का नया उदाहरण प्रस्तुत करेंगी। विशेष अतिथि मध्यप्रदेश शासन के घुम्मकड़ एवं अर्धघुम्मकड़ कल्याण आयोग के अध्यक्ष आदरणीय श्री बाबूलाल जी बंजारा ने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक उन्नति तब होती है, जब उसकी मातृशक्ति आर्थिक रूप से सशक्त हो। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को संगठन और बाजार से जोड़ने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे और महिलाएँ आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दिलीप धनराज गुप्ता ने बताया कि यह प्रशिक्षण केवल तीन दिनों का कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं को स्थायी स्वरोजगार से जोड़ने की शुरुआत है। संकल्पित बहुउद्देशीय सहकारी संस्था के माध्यम से पिपलिया मंडी की प्रशिक्षित महिलाओं को संगठित कर स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही मंदसौर सुख समृद्धि वेलफेयर सोसायटी संकल्पित मंदसौर द्वारा उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग, विपणन तथा समय-समय पर उन्नत प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें। कार्यशाला में नासिक (महाराष्ट्र) की रेणुका महिला औद्योगिक सहकारी संस्था की अध्यक्ष श्रीमती मंदा फड़ एवं उनकी टीम ने महिलाओं को सिलाई के साथ-साथ उत्पाद निर्माण, गुणवत्ता, डिज़ाइन, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुखलाल पंवार, भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश पाटीदार, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा सुनील देवरिया, नगर परिषद उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा तथा सहकार भारती के अखिल भारतीय प्रमुख डेयरी प्रकोष्ठ देवेन्द्र शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रमेश पाटीदार, पार्षद संतोष गोरधन योगी, शैलेन्द्र सिंह उज्जैन, राहुल राठौर मंदसौर, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष देवीलाल गुर्जर, ईश्वरसिंह, महेश शर्मा, पंकज शर्मा, अमित सेन, अरविंद सिंह राठौर, संकल्पित मंदसौर टीम से संगीता राठौड़, शैलेन्द्र तेनगरिया, सत्यनारायण माली, डॉ. देवराज चौधरी, योगेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री प्रांजल गुप्ता ने किया। अंत में प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गई।

जलसंकट से निपटने की जद्दोजहद, नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने जल स्रोतों का जायजा लिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी समय में नगर में नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार पेयजल मिले इसके लिये नगर पालिका परिषद निरंतर प्रयत्नशील है। नगरपालिका का जल प्रदाय अमला निरंतर प्रयास कर रहा है कि नपा के जल स्त्रोतों में पानी की उपलब्धता बनी रहे। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने चन्द्रशेखर आजाद जलाशय (मिर्जापुरा बांध) का निरीक्षण किया और शिवना नदी के ऊपरी हिस्से से यहां लाये गये पानी की उपलब्धता को देखा। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के साथ जलकार्य सभापति निलेश जैन, जलकार्य समिति सदस्यगण सुनीता गुजरिया, कमलेश सिसौदिया, सुनीता भावसार, गोवर्धन कुमावत, पार्षद प्रतिनिधि नंदलाल गुजरिया, राकेश भावसार एवं नपा जलप्रदाय शाखा के कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर को अवगत कराया गया कि शिवना नदी के ऊपरी छोर से आजाद जलाशय की ओर पानी लाया गया है वहां से 6 मोटरे लगाकर पानी रामघाट की ओर भेजा जा रहा है। नगर पालिका का अमला 24 घण्टे प्रथम रहकर जलप्रदाय व्यवस्था के कार्य में लगा है मोटेरे लगाकर पानी को आगे की ओर लिफ्ट किया जा रहा है ताकि जलप्रदाय व्यवस्था के लिये नगर के नागरिकों को पानी मिल सके। यह उल्लेखनीय है कि पर्याप्त वर्षा नहीं होने तथा शिवना नदी के ऊपरी हिस्से में बारिश नही होने के कारण शिवना नदी में पानी की उपलब्धता कम है।

राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में मंदसौर की पर्यावरणविद् डॉ. उर्मिला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) परिसर में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में देश के केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के विशेष आमंत्रण पर मंदसौर की जानी-मानी पर्यावरणविद् और सार्थक सोशल वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक डॉ. उर्मिला तोमर ने 'वृक्ष मित्र' के रूप में सहभागिता की। इस गौरवशाली आयोजन में देशभर से पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चुनिंदा 'वृक्ष मित्रों' को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान डॉ. उर्मिला तोमर ने माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने माननीय मंत्री जी को सार्थक सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा विगत 11 वर्षों से मंदसौर और मालवा अंचल में चलाए जा रहे सघन वृक्षारोपण, सस्टेनेबल वाटर मैनेजमेंट (भूजल पुनर्भरण) और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक मुक्ति (बर्तन बैंक) जैसे धरातलीय अभियानों की विस्तृत जानकारी दी और संस्था का आधिकारिक ब्रोशर भी भेंट किया। राष्ट्रीय स्तर पर 'वृक्ष मित्र' अभियान को मजबूत करने के सुझाव सौंपे। केंद्रीय मंत्री से वन-टू-वन चर्चा के दौरान डॉ. तोमर ने देश में पर्यावरण संरक्षण की गति को तीव्र करने के लिए कई व्यावहारिक सुझाव साझा किए। उन्होंने देश के हर नागरिक को पर्यावरण से जोड़ने, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनरुद्धार और वैज्ञानिक पद्धतियों से सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर बल दिया। माननीय मंत्री जी ने सार्थक संस्था के सेवा कार्यों की खुले दिल से सराहना की और इन बहुमूल्य सुझावों पर सकारात्मक रुख दिखाया। इस उपलब्धि पर सार्थक संस्था के सभी सदस्यों, सहयोगियों और मंदसौर के पर्यावरण प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण बताया है।

कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर ने शासकीय अभिभाषकों की बैठक आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर बृजेन्द्र कुमार रावत द्वारा जिले के समस्त शासकीय अभिभाषकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में शासन के हितों के प्रभावी संरक्षण एवं सशक्त पैरवी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संबंधित राजस्व अधिकारी एसडीएम एवं तहसीलदार भी उपस्थित रहे। अपर कलेक्टर ने शासकीय अभिभाषकों को निर्देशित किया कि शासन से संबंधित प्रत्येक प्रकरण में पूरी तैयारी के साथ प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें। न्यायालय में शासन का पक्ष तथ्यों एवं विधिक प्रावधानों के आधार पर मजबूती से प्रस्तुत किया जाए तथा किसी भी प्रकरण में अनावश्यक स्थगन या लापरवाही से बचा जाए।

डॉक्टरों के साथ हिंसा बर्दाश्त नहीं होगी

आईएमए मंदसौर ने हाल ही में हुई घटनाओं पर चिंता जताते हुए एहतियातन कदम उठाने की बात कही

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में हाल ही में चिकित्सकों के साथ अभद्र व्यवहार, धमकी, गलत आरोप आदि घटनाएं सामने आई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन मंदसौर द्वारा इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए इस तरह की घटनाओं में भविष्य में कड़े कदम उठाने की चेतावनी भी जारी की गई है। आईएमए मंदसौर के अध्यक्ष डॉ. सुरेश पमनानी एवं सचिव डॉ. अभिनव पारिख ने बताया कि एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि मरीजों की सेवा में समर्पित चिकित्सकों के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा, धमकी, दबाव अथवा तोड़फोड़ को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

आईएमए मंदसौर द्वारा विगत दिनों एक आपातकालीन बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जीरो टॉलरेंस नीति लागू करने का निर्णय लिया गया। बैठक में भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। निर्णय के अनुसार, यदि जिले के किसी भी अस्पताल, नर्सिंग होम अथवा क्लीनिक में चिकित्सकों या स्वास्थ्यकर्मियों के साथ हिंसा, मारपीट, धमकी अथवा तोड़फोड़ की घटना होती है, तो आईएमए आवश्यकतानुसार सामूहिक निर्णय लेते हुए चिकित्सा सेवाओं के संबंध में तत्काल कदम उठाएगा। जरूरी होने पर आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं भी निलंबित कर दी जाएंगी।चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईएमए ने एक रैपिड रिस्पॉन्स टीम गठित करने का भी निर्णय लिया है, जो ऐसी किसी भी घटना की सूचना मिलते ही तत्काल कानूनी सहायता, प्रशासनिक समन्वय एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। साथ ही, ऐसे मामलों में मीडिया एवं प्रशासन से संबंधित अधिकृत संवाद आईएमए के सहयोग से किया जाएगा।

आईएमए ने कहा कि चिकित्सक प्रतिदिन अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मरीजों का उपचार करते हैं। ऐसे में उनका सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना केवल चिकित्सा समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सुरक्षित वातावरण में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं संभव हैं। एसोसिएशन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में कानून अपने हाथ में न लें तथा चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों के प्रति सम्मान और संयम बनाए रखें। किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत का समाधान विधिसम्मत तरीके से किया जाना चाहिए, हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। आईएमए मंदसौर ने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में चिकित्सकों की सुरक्षा या सम्मान से जुड़ी कोई भी घटना सामने आती है, तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए प्रकरण को जिला प्रशासन, राज्य शासन एवं आवश्यक होने पर उच्च स्तर तक प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

अफजलपुर पुलिस द्वारा 'नशे से दूरी है जरुरी 2.0' अभियान में 2 किलो अफीम जब्ती समेत एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा विषेश नशामुक्ति जन जागरुतकता अभियान नशे से दूरी है जरुरी 2.0 के तहत विनोदकुमार मीना पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल व अनुविभागीय अधिकार पुलिस मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय के नेतृत्व में थाना स्टाफ द्वारा मुखबिर सुचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को अवेध मादक पदार्थ अफीम सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।

घटना के अनुसार 15 जुलाई को अफजलपुर थाना पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर के सुचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति ग्रे कलर की अल्टो कार क्रमांक एमपी 14 सीडी 3072 में मादक पदार्थ अफीम लेकर अफजलपुर होकर दलोदा तरफ बाहरी तस्कर को देने जा रहा है। इस पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी अफजलपुर द्वारा टीम गठित कर नाकाबंदी करवाई गयी। मुखबिर द्वारा बताये हुलिये की ग्रे कलर की अल्टो कार सीतामऊ तरफ से दलोदा तरफ आना पायी गयी, जिसको बामुश्किल रोका। वाहन चालक में अपना नाम राहुल पिता जगदीश निवासी साखतली का होना बताया। वाहन को चेक करते वाहन में अवेध मादक पदार्थ अफीम वजन 02 किलो 051 ग्राम मिला, जो आरोपी राहुल का कृत्य धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पाया जाने से मोका कार्यवाही कर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। थाना अफजलपुर पर धारा 8/18,29 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी से मादक पदार्थ के क्रेता व विक्रेता व सप्लायर के संबंध में गहनता से पुछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई में निरीक्षक हरीश मालवीय थाना प्रभारी अफजलपुर व टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्रामीण क्षेत्र में विकास कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें

कलेक्टर अदिती गर्ग द्वारा ग्रामीण विकास कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर की गई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग ने जिले ग्रामीण विकास कार्यों एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक लेकर की। गुरूवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वीबी जी राम जी आदि योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन, सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जिले के ग्रामीणक्षेत्रों में शासन द्वारा बनाए गये सामुदायिक शोचालयों को शतप्रतिशत रूप से उपयोग में लाने की व्यवस्था करें। शौचालयों की देखभाल के लिए किसी व्यक्ति तैनात रखा जायें। वीबी जी राम जी योजना की समीक्षा में संचालित कार्य तथा लाभान्वित श्रमिकों की जानकारी प्राप्त की। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्रियान्वयन के अंतर्गत पंचायतों कचरा निपटान, कचरा गाडियों की व्यवस्था आदि की जानकारी लेते हुए कचरा कलेक्शन करने वाले कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्र में क्रियान्वित योजनाओं खास तौर पर पेयजल योजनाओं में इस्तेमाल किए जाने वाली पाइप तथा अन्य सामग्री गुणवत्ता वाली हो शासन की वीबी जीरामजी योजना मैं श्रमिकों की ईकेवाईसी करने की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत पात्र श्रमिकों को निरंतर कार्य मिले ऐसा प्रयास किया जावे बताया गया की 370314 श्रमिकों में से अभी 14471 श्रमिकों की ईकेवाईसी हुई है शेष श्रमिकों के लिए कार्य जारी है सीपरी सॉफ्टवेयर पर तैयार की गई । योजनाओं की भी समीक्षा कलेक्टर द्वारा की गई 15वें वित्त आयोग की राशि से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान अधूरे कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए साथ ही शतप्रतिशत कर वसूली के लिए भी दिशा निर्देशित किया मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा में कलेक्टर ने निर्देशित किया की शिकायतों का निराकरण वास्तविक रूप में हो ग्रामीण क्षेत्र में पाइप लाइनों के टूट-फूट को दुरुस्त करने नालियों में गंदगी का निपटान करने को भी प्राथमिकता से लेने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की समीक्षा की गई। सीईओ श्री जैन ने बताया कि अपूर्ण पड़े 352 आवासों को पूर्ण करने के लिए संबंधितों को नोटिस जारी किए गए हैं जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं हेतु आवेदन आमंत्रित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक उद्यानिकी, जिला रतलाम ने बताया कि जिले के किसानों, महिला समूहों, युवाओं, किसान उत्पादक संगठनों, एफपीओ, स्वयं सहायता समूहों एवं कृषि उद्यमियों के लिए उद्यानिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजनाओं के तहत शासन द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार अनुदान प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि बागवानी फसल विस्तार, संरक्षित खेती (पॉलीहाउस एवं शेडनेट), सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर), एकीकृत पैक हाउस एवं ग्रेडिंग यूनिट, कोल्ड स्टोरेज एवं प्री-कूलिंग यूनिट, फूलों की खेती तथा प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर पात्र हितग्राहियों को अनुदान का लाभ दिया जाएगा। इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि, आधुनिक बागवानी को बढ़ावा देना तथा कृषि आधारित उद्यमों को प्रोत्साहित करना है।

योजनाओं का लाभ लेने के लिए मापदंड एवं दस्तावेज-योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का स्थायी निवासी होना आवश्यक है। पात्रता एवं भूमि संबंधी शर्तें संबंधित योजना के अनुसार लागू होंगी। आवेदन के साथ आधार कार्ड, समग्र आईडी, भूमि संबंधी दस्तावेज, बैंक पासबुक की प्रति, पासपोर्ट आकार का फोटो, मोबाइल नंबर तथा योजना अनुसार अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा।

आवेदन करने की प्रकिया- इच्छुक हितग्राही आवेदन ऑफलाइन अथवा एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं। आवेदन जिला उद्यानिकी कार्यालय, रतलाम में भी जमा किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला उद्यानिकी कार्यालय के दूरभाष 07412-429107 अथवा ई-मेल doh.rat@mp.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जावद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 2.745 किलो अवैध अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, बिना नंबर की बाइक जब्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जावद थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सरवानिया महाराज पुलिस चौकी ने कार्रवाई करते हुए 2 किलो 745 ग्राम अवैध अफीम, एक बिना नंबर की टीवीएस मोटरसाइकिल और एक एंड्रॉयड मोबाइल जब्त किया है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 4 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अफीम उपलब्ध कराने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी सह-आरोपी बनाया गया है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल एवं एसडीओपी जावद हर्ष राठौर के निर्देशन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह जादौन के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक युवक बिना नंबर की टीवीएस मोटरसाइकिल से अवैध अफीम की तस्करी करने वाला है। सूचना के आधार पर ग्राम आंकली स्थित मेलानखेड़ा तिराहे पर पंचमुखी बालाजी मंदिर के सामने नाकाबंदी की गई। इस दौरान पुलिस ने आरोपी शुभम पिता मदनलाल कीर (22 वर्ष), निवासी जाट मोहल्ला, मोरवन (हाल निवासी सांवलियाजी, राजस्थान) को रोककर तलाशी ली। तलाशी में उसके कब्जे से 2 किलो 745 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पूछताछ में सामने आया कि अवैध अफीम प्रकाश पिता कैशुराम गौड़, निवासी लक्ष्मीपुरा, मोरवन ने उपलब्ध कराई थी। पुलिस ने उसे भी मामले में सह-आरोपी बनाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि अफीम की खेप कहां से लाई गई थी तथा इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन तथा कुपोषण उन्मूलन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र बच्चों का शत-प्रतिशत पंजीयन, नियमित टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण तथा समय पर पोषण आहार वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने कुपोषण की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए निर्देश दिए कि गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चों को समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इस माह लगभग 1000 न्यूट्री बास्केट वितरित किए जाएं। जिन बच्चों को चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता हो, उन्हें तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कराया जाए। उन्होंने विभागीय योजनाओं के शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी पात्र हितग्राहियों की आधार एवं अपार आईडी तैयार करने तथा प्रत्येक सेक्टर स्तर पर विशेष आधार शिविर आयोजित करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को नियमित रूप से वीएचएसएनडी दिवसों का निरीक्षण कर सेवाओं की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजरों से कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियां नियमित रूप से संचालित हों तथा इसकी सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए।

बैठक में कुपोषित बच्चों के परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की माताओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत किया जाए। साथ ही घरों में उपलब्ध स्थान के अनुसार किचन गार्डन विकसित कराए जाएं, जिसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र,उद्यानिकी एवं कृषि विभाग के माध्यम से पौधे एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। जिन आंगनवाड़ी केंद्रों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, वहां न्यूट्री गार्डन विकसित किए जाएंगे।

समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में दिए आवश्यक निर्देश

औद्योगिक इकाइयों में जल उपयोग एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन की होगी सख्त निगरानी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले में संचालित पेयजल योजनाओं एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए कि एकल ग्राम जल योजनाओं वाले ग्रामों में जलकर की प्रभावी वसूली सुनिश्चित की जाए। इसके लिए जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के समन्वय से ग्राम पंचायतों को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक जलकर वसूली की जाए। उन्होंने नियमित जलकर वसूली एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति करने वाली ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में मध्यप्रदेश जल निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समूह जल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत सभी स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में नल कनेक्शन का कार्य प्राथमिकता से शीघ्र पूर्ण कराया जाए, ताकि बच्चों एवं हितग्राहियों को स्वच्छ पेयजल की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिले में संचालित औद्योगिक इकाइयों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों तथा अन्य बड़े जल उपभोक्ताओं द्वारा जल उपयोग एवं जलकर भुगतान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। साथ ही फैक्ट्रियों से निकलने वाले अपशिष्ट जल का नियमानुसार उपचार कर उसके पुनः उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा इसकी निगरानी के लिए समिति गठित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने तथा जल संसाधनों के प्रभावी एवं सतत प्रबंधन के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री दीपेश वास्पत,महाप्रबंधक जल निगम श्री धीरेंद्र कुमार बिजौरिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

भूख और बर्बादी के बीच का भारत : थाली में सिमटा हमारा नैतिक पतन

किसी भी भारतीय विवाह, पारिवारिक उत्सव या सामाजिक समारोह की सफलता का पैमाना आज भी व्यंजनों की विविधता और मेजबान की उदारता है। जितनी लंबी व्यंजन सूची, उतनी बड़ी प्रतिष्ठा; जितनी भरी थालियां, उतना अधिक सम्मान। पर इस चमक के पीछे एक खामोश सच है–कूड़ेदान में समाता अन्न। यह केवल बचा भोजन नहीं, बल्कि किसान का पसीना, प्रकृति के संसाधन, श्रमिक का श्रम और राष्ट्र की पूंजी का अपव्यय है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की खाद्य अपव्यय सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर वर्ष लगभग 68-78 मिलियन टन खाद्य पदार्थ घरेलू स्तर पर बर्बाद होते हैं, जबकि विवाह समारोहों में 10 से 20 प्रतिशत भोजन बिना स्वाद चखे ही फेंक दिया जाता है। यह केवल सामाजिक व्यवहार नहीं, आर्थिक, पर्यावरणीय और नैतिक संकट है। जिस देश में आज भी लाखों लोग भरपेट भोजन से वंचित हों, वहां अन्न का यह अपमान हमारी सामूहिक चेतना पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है।

इस समस्या की जड़ हमारी सामाजिक मानसिकता में है। विवाहों में आवश्यकता से अधिक भोजन बनाना और ज्यादा से ज्यादा परोसना आज भी प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मेजबान को भोजन कम पड़ने का भय रहता है, जबकि अतिथि संकोच या लालच में जरूरत से अधिक थाली भर लेते हैं। नतीजतन बड़ी मात्रा में भोजन कूड़ेदान में पहुंच जाता है। होटल और रेस्तरां का बुफे सिस्टम इस अपव्यय को और बढ़ाता है, जहां स्वाद की चाह भूख पर भारी पड़ती है। घरों में भी व्यस्त जीवनशैली, सही अनुमान की कमी और बचत के बजाय नया खरीदो की मानसिकता ने रसोई को अपव्यय का केंद्र बना दिया है। फल-सब्जियां सड़ जाती हैं, बचा भोजन फ्रिज में पड़ा रहकर अंततः कूड़े में चला जाता है। उपभोग की संस्कृति ने विवेक को पीछे धकेल दिया है; भोजन अब आवश्यकता नहीं, प्रदर्शन का माध्यम बन चुका है।

भोजन की बर्बादी केवल थाली तक सीमित नहीं, इसका सबसे गहरा प्रहार पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर होता है। अनुपयोगी भोजन कचरा भराव स्थलों में सड़कर मीथेन गैस छोड़ता है, जो भूमंडलीय तापवृद्धि की प्रमुख वजह है। वैश्विक स्तर पर खाद्य अपव्यय कुल हरितगृह गैस उत्सर्जन का 8 से 10 प्रतिशत हिस्सा है, जो विमानन उद्योग से भी अधिक है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यह केवल अन्न नहीं, बल्कि पानी, बिजली, डीजल, उर्वरक, परिवहन, भंडारण और किसानों के श्रम का भी अपव्यय है। अनुमान है कि इससे भारत को हर वर्ष डेढ़ लाख करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होता है। इतनी राशि से हजारों विद्यालय, अस्पताल, सिंचाई और पोषण योजनाएं साकार हो सकती हैं। सच यह है कि हम भोजन नहीं, अपने भविष्य की संभावनाएं कूड़ेदान में फेंक रहे हैं।

विडंबना यह है कि यह संकट तकनीक का नहीं, मूल्यों के क्षरण का परिणाम है। जिस समाज ने अन्नपूर्णा को देवी माना, वहीं अन्न का अपमान सामान्य होता जा रहा है। एक ओर करोड़ों लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, दूसरी ओर दावतों का भोजन कूड़ेदान में पहुंच रहा है। यह केवल आर्थिक असमानता नहीं, सामाजिक संवेदनहीनता का भी प्रमाण है। विकसित देशों में डॉग्गी बैग जिम्मेदार नागरिकता का प्रतीक है, जबकि भारत में इसे आज भी संकोच से देखा जाता है। अनेक होटलों का बचा भोजन सुरक्षित व्यवस्था से जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है। घरों में सही मात्रा में भोजन पकाना, बचे भोजन का पुनः उपयोग, बेहतर शीतक प्रबंधन और पहले से उपलब्ध सामग्री का उपयोग अपव्यय को काफी घटा सकता है। आखिर, संस्कारों की पहचान पूजा से नहीं, अन्न के सम्मान से होती है।

समस्या जितनी व्यापक है, समाधान भी उतने ही व्यावहारिक हैं। कई होटल और भोजन-व्यवस्थापक अब शून्य अपव्यय विवाह पैकेज अपना रहे हैं, जिनमें अतिथियों की संख्या के अनुसार भोजन का वैज्ञानिक आकलन होता है। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं विवाह और होटलों का बचा सुरक्षित भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचा रही हैं। यह केवल सेवा नहीं, संसाधनों के सम्मान की संस्कृति है। सरकार को बड़े आयोजनों में खाद्य अपव्यय रोकने के लिए जनजागरूकता, प्रभावी नियम और कर प्रोत्साहन जैसे कदम उठाने होंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में खाद्य अपव्यय, पोषण और संसाधन संरक्षण को शामिल करना समय की मांग है, ताकि नई पीढ़ी इसे व्यवहार में उतारे। जब समाज इसे आदत नहीं, राष्ट्रीय दायित्व मानेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

आज प्रौद्योगिकी भी इस चुनौती का प्रभावी समाधान बन सकती है। स्मार्ट फ्रिज भोजन की उपयोग अवधि बताकर बर्बादी रोक सकते हैं, जबकि मोबाइल ऐप्स से बचा भोजन तुरंत डोनेशन नेटवर्क तक पहुंचाया जा सकता है। बिग डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विवाह, होटल और बड़े आयोजनों के लिए आवश्यकता के अनुरूप भोजन का सटीक आकलन संभव बना रहे हैं। नगर निकाय, होटल उद्योग, खाद्य कंपनियां और स्वयंसेवी संस्थाएं मिलकर खाद्य अपव्यय को काफी घटा सकती हैं। कई देशों ने ऐसे उपायों से सफलता पाई है। भारत के पास तकनीक के साथ संस्कारों की पूंजी भी है; आवश्यकता केवल दोनों के समन्वय की है। अन्न को संसाधन नहीं, संस्कार मानते ही समाधान व्यवहार बन जाएगा। समाधान की शुरुआत किसी कानून से नहीं, हमारी थाली से होगी। हर परिवार, हर मेहमान और हर होटल मालिक को समझना होगा कि एक दाना भी बर्बाद करना राष्ट्र की संपत्ति को लुटाना है।

आत्मप्रकाश : जीवन की चुनौतियों में सहज, विवेकपूर्ण मार्गदर्शक

प्रकाश एक प्रकार की ऊर्जा है, जो हमारी आँखों को संवेदित कर वस्तुओं के अस्तित्व का बोध कराती है। जब प्रकाश किसी स्रोत से निकलकर वस्तुओं पर पड़ता है और उनसे परावर्तित होकर हमारी आँखों तक पहुँचता है, तभी हम उन्हें देख और पहचान पाते हैं। प्रकाश के अभाव में वस्तुएँ उपस्थित होकर भी हमारे लिए अदृश्य रहती हैं। यह स्थूल जगत का वैज्ञानिक सत्य है। इसी प्रकार हमारे सूक्ष्म अस्तित्व में आत्मा एक दिव्य प्रकाश के रूप में सदैव प्रकाशित रहती है। आत्मा का यह प्रकाश शुद्ध, स्पंदनयुक्त और चेतनामय होता है। जहाँ सूर्य का प्रकाश हमें केवल स्थूल जगत का अनुभव कराता है, वहीं आत्मप्रकाश स्थूल और सूक्ष्म–दोनों आयामों को प्रकाशित करता है। आत्मप्रकाश का विस्तार व्यक्ति की चेतना के स्तर पर निर्भर करता है। चेतना जितनी विकसित होती है, दृष्टि उतनी ही निर्मल और व्यापक बनती है। इसी प्रकाशित चेतना में साधक दैवीय स्पंदनों एवं आध्यात्मिक अनुभूतियों का साक्षी बनता है। अनेक महापुरुषों के चित्रों में उनके मस्तक के चारों ओर प्रदर्शित प्रकाश-वृत्त इसी जागृत चेतना का प्रतीक है। आत्मा व्यक्तिगत सीमाओं में बंधी नहीं है, बल्कि वह ब्रह्मांडव्यापी चेतना का अंश है। इसलिए उसकी अभिव्यक्ति भी सार्वभौमिक प्रेम के रूप में होती है।

श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिष्ठापित सहज योग साधक के भीतर इसी आत्मचेतना की जागृति का माध्यम है। इस संदर्भ में श्री माताजी ने कहा है- आत्मा का प्रकाश आपको धीरे-धीरे सब कुछ बताएगा, जितना आप इसे सहन कर सकते हैं। यह आपको कुछ ऐसा नहीं बताएगा जिसे आप सहन नहीं कर सकते। यह एक बहुत अच्छी समरूप तुलना है, जब हम यह कहते हैं कि, आप एक प्रकाश हैं, लेकिन यह प्रकाश जो आपके पास है, वह इस मामूली प्रकाश से बहुत अलग है। साधारण प्रकाश समझता नहीं है, वह सोचता नहीं है। अब जो प्रकाश आपके पास है, यह वह प्रकाश है जो समझता है, सोचता है और आपको उतनी ही रोशनी देता है जितनी आप सहन कर सकते हैं। यह दमकेगा नहीं। यदि यह कौंधेगा, तो आप हक्के-बक्के हो जाएंगे। यह धुंधला भी नहीं पड़ेगा। यह पूर्णतया उसी अनुपात में रहेगा, जितना आप समझ सकते हैं।

सोशल मीडिया से छिन्न-भिन्न होता बचपन का भोलापन और सामाजिक रिश्ते

इंटरनेट और सोशल मीडिया ने हमें बहुत सारी सुविधाएं तो प्रदान की है किंतु बच्चों की मासूमियत और सामाजिक पारिवारिक रिश्तों को छिन्न- भिन्न कर दिया है। वर्तमान समय में तीन वर्ष का मासूम बच्चा भी मोबाइल चलाना जानता है। माता-पिता अपनी व्यस्त दिनचर्या के कारण बच्चों को चुप कराने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। धीरे-धीरे यही मोबाइल उसका सबसे प्रिय साथी बन जाता है। वह बाहर खेलने की अपेक्षा स्क्रीन पर कार्टून, वीडियो और गेम में अधिक आनंद लेने लगता है। परिणामस्वरूप उसका मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास प्रभावित होने लगता है। सोशल मीडिया ने बच्चों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को भी बदल दिया है। अब वे वास्तविक जीवन की बजाय आभासी दुनिया में अधिक समय बिताते हैं। वहाँ दिखाई देने वाली चमक-दमक, दिखावा और त्वरित प्रसिद्धि की संस्कृति उनके मन में अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा उत्पन्न करती है। कम उम्र में ही वे लाइक्स, फॉलोअर्स और लोकप्रियता की दौड़ में शामिल हो जाते हैं। बचपन की सहज मुस्कान धीरे-धीरे कृत्रिम अभिव्यक्ति में बदलने लगती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि बच्चों की शारीरिक गतिविधियाँ लगातार कम होती जा रही हैं। पहले बच्चे घंटों मैदान में दौड़ते थे, जिससे उनका शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता था। बच्चों का साइकिल चलाना छूट गया है आज अधिकांश बच्चे घंटों मोबाइल, टैबलेट या कंप्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। इसका परिणाम मोटापा, आँखों की कमजोरी, गर्दन और रीढ़ की समस्याएँ तथा मानसिक तनाव के रूप में सामने आ रहा है। चिकित्सकों का मानना है कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम बच्चों की नींद, स्मरण शक्ति और एकाग्रता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि युवा, अभिभावक और यहाँ तक कि सत्तर वर्ष के बुजुर्ग भी इंटरनेट और सोशल मीडिया के मायाजाल में उलझे दिखाई देते हैं। परिवार एक ही छत के नीचे रहते हुए भी मानसिक रूप से एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं। पहले भोजन के समय परिवार में बातचीत होती थी, अब अधिकांश लोग मोबाइल स्क्रीन में व्यस्त रहते हैं। रिश्तों की आत्मीयता धीरे-धीरे डिजिटल संदेशों तक सीमित होती जा रही है।

भारत की पारंपरिक खेल संस्कृति भी इस बदलाव का शिकार हुई है। गुल्ली-डंडा, लंगड़ी, कबड्डी और खो-खो जैसे खेल केवल खेल नहीं थे, बल्कि सहयोग, अनुशासन, साहस और मित्रता का प्रशिक्षण भी थे। कैरम और शतरंज बच्चों में धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करते थे। आज इनकी जगह ऑनलाइन गेम्स ने ले ली है, जिनमें कई बार हिंसा, आक्रामकता और आभासी प्रतिस्पर्धा अधिक दिखाई देती है। सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग बच्चों के नैतिक विकास को भी प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट पर उपलब्ध प्रत्येक सामग्री उनकी आयु के अनुरूप नहीं होती। बिना निगरानी के वे ऐसे वीडियो, भाषा और विचारों के संपर्क में आ सकते हैं, जो उनकी मासूम मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ बच्चों के लिए अभिभावकीय निगरानी और संतुलित डिजिटल उपयोग पर विशेष बल देते हैं।

मानव सभ्यता ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में जितनी तीव्र गति से प्रगति की है, उतनी ही तेजी से जीवन की सहजता और मानवीय संवेदनाएँ भी प्रभावित हुई हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने संसार को एक छोटे से गाँव में बदल दिया है। ज्ञान, शिक्षा, संचार और मनोरंजन के असंख्य साधन आज हमारी उँगलियों पर उपलब्ध हैं। लेकिन हर सुविधा का दूसरा पक्ष भी होता है। इंटरनेट का वही संसार, जिसने मनुष्य के जीवन को सरल बनाया, आज बच्चों के बचपन और उनकी मासूमियत पर सबसे बड़ा संकट बनकर उभर रहा है।

एक समय था जब बच्चों की पहचान उनकी खिलखिलाती हँसी, मिट्टी में सने कपड़े, मैदानों की दौड़, पेड़ों पर चढ़ने की जिद और दोस्तों के साथ खेली जाने वाली गुल्ली-डंडा, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी से होती थी। घरों के आँगन में कैरम, लूडो और शतरंज की बिसात सजती थी। शाम होते ही गलियाँ बच्चों की चहचहाहट से गूँज उठती थीं। आज वही गलियाँ सूनी हैं और बच्चे मोबाइल की छोटी-सी स्क्रीन में कैद होकर रह गए हैं।

आपके आलेख में विशेषज्ञों के कुछ प्रामाणिक और व्यापक रूप से उद्धृत विचार इस प्रकार जोड़े जा सकते हैं- विश्वप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ. जीन ट्वेंज का कहना है कि स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास तथा सामाजिक व्यवहार पर गहरा प्रभाव डाला है। वास्तविक मित्रता की जगह आभासी संबंधों ने ले ली है, जिससे अकेलेपन और अवसाद की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जोनाथन हैइट सामाजिक मनोवैज्ञानिक लिखते हैं कि बचपन खेल के मैदानों से हटकर मोबाइल स्क्रीन पर सिमट गया है। यह बदलाव बच्चों के मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। यूनेस्को ने अपनी शिक्षा संबंधी रिपोर्टों में कहा है कि डिजिटल तकनीक शिक्षा के लिए उपयोगी है, किंतु बच्चों के लिए अत्यधिक स्क्रीन टाइम सीखने की क्षमता, एकाग्रता और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए संतुलित और नियंत्रित उपयोग आवश्यक है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का स्पष्ट मत है कि छोटे बच्चों को लंबे समय तक मोबाइल या स्क्रीन के सामने नहीं रखना चाहिए। अधिक स्क्रीन समय बच्चों के शारीरिक विकास, नींद और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।।भारत के प्रसिद्ध साइबर कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल का कहना है कि इंटरनेट बच्चों के लिए ज्ञान का विशाल भंडार है, लेकिन अभिभावकों की निगरानी के बिना यही इंटरनेट अनेक साइबर खतरों और अनुचित सामग्री का माध्यम भी बन सकता है। डिजिटल अनुशासन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रसिद्ध मीडिया विश्लेषक प्रो. एवरट डेनिस का मत है कि मीडिया समाज का दर्पण है, किंतु जब मनोरंजन और उपभोग की संस्कृति हावी हो जाती है, तब बच्चों के व्यक्तित्व और सामाजिक मूल्यों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है।÷

प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने कई अवसरों पर कहा है कि उन्होंने अपने बच्चों के लिए एक निश्चित आयु तक मोबाइल फोन और स्क्रीन उपयोग पर सीमाएँ निर्धारित की थीं, क्योंकि तकनीक का उपयोग संतुलित होना चाहिए।

स्टीव जॉब्स, एप्पल के सह-संस्थापक, ने भी एक साक्षात्कार में बताया था कि उनके घर में बच्चों के लिए नई तकनीकों के उपयोग पर समय-सीमा और पारिवारिक नियंत्रण रखा जाता था, ताकि वे वास्तविक जीवन के अनुभवों से जुड़े रहें। मीडिया विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परिवार, विद्यालय और समाज मिलकर बच्चों के लिए डिजिटल अनुशासन÷ की संस्कृति विकसित करें, तो इंटरनेट ज्ञान का माध्यम बनेगा, न कि बचपन की मासूमियत को निगलने वाला मायाजाल। तकनीक एक उत्कृष्ट सेवक है, लेकिन एक अत्यंत खतरनाक स्वामी। इसलिए आवश्यकता इंटरनेट से दूरी बनाने की नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण और संतुलित उपयोग की है।

इन वक्तव्यों को जोड़ने से आपका आलेख अधिक शोधपरक, विश्वसनीय और प्रभावशाली बन जाएगा।

इस समस्या का समाधान इंटरनेट का विरोध करना नहीं है। इंटरनेट स्वयं में न तो अच्छा है और न बुरा; उसका उपयोग उसे उपयोग करने वाले के विवेक पर निर्भर करता है। यदि बच्चे सीमित समय तक इंटरनेट का उपयोग शिक्षा, ज्ञान और रचनात्मक कार्यों के लिए करें, तो यह उनके विकास का प्रभावी साधन बन सकता है। लेकिन यदि वही इंटरनेट उनका सम्पूर्ण बचपन निगल ले, तो यह चिंता का विषय है।

अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल मोबाइल देकर शांत करने के बजाय उनके साथ समय बिताना होगा। परिवार को प्रतिदिन कुछ समय बिना मोबाइल के साथ बैठना चाहिए। बच्चों को पुस्तकें पढ़ने, चित्रकला, संगीत, बागवानी, योग, खेलकूद और प्रकृति से जुड़ने के अवसर देने होंगे। विद्यालयों को भी खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और नैतिक शिक्षा को अधिक महत्व देना चाहिए। सरकार, समाज और तकनीकी कंपनियों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करें। आयु के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम नियंत्रण और डिजिटल साक्षरता जैसे प्रयासों को व्यापक स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। साथ ही अभिभावकों को भी डिजिटल पालन-पोषण के प्रति जागरूक बनाया जाना आवश्यक है। बचपन जीवन का सबसे सुंदर अध्याय होता है। यदि इस अध्याय से मिट्टी की सोंधी खुशबू, दोस्तों की हँसी, खेल का उत्साह और परिवार का स्नेह छिन गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ तकनीकी रूप से सक्षम तो होंगी, पर भावनात्मक रूप से अधूरी रह जाएँगी। हमें यह समझना होगा कि मोबाइल बच्चों के हाथ में एक साधन होना चाहिए, उनका बचपन नहीं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक और जीवन के बीच संतुलन स्थापित करें। बच्चों को इंटरनेट का ज्ञान अवश्य दें, लेकिन उससे पहले उन्हें प्रकृति से प्रेम करना, मित्र बनाना, हार-जीत को स्वीकारना, परिवार के साथ हँसना और खुलकर जीना सिखाएँ। जब बच्चे फिर से मैदानों में लौटेंगे, पेड़ों की छाँव में खेलेंगे, कैरम और शतरंज की बिसात सजाएँगे, तब उनकी मासूम मुस्कान भी लौटेगी और समाज का भविष्य भी अधिक स्वस्थ, संवेदनशील और मानवीय बनेगा।

अंततः, इंटरनेट और सोशल मीडिया मानव की महान उपलब्धियाँ हैं, परंतु इनका विवेकपूर्ण उपयोग ही इन्हें वरदान बनाए रख सकता है। यदि हमने समय रहते बच्चों को डिजिटल लत से बाहर निकालकर वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा, तो आने वाले वर्षों में हमारे पास अत्याधुनिक तकनीक तो होगी, पर बचपन की वह निश्छल मुस्कान शायद केवल पुरानी तस्वीरों और स्मृतियों में ही दिखाई देगी।

-संजीव ठाकुर

सेवा उत्पादन सूचकांक से मिलेगी अर्थव्यवस्था की सटीक तस्वीर

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सेवा उत्पादन का परीक्षण सूचकांक (आईएसपी) मंगलवार को जारी किया। यह उच्च आवृत्ति वाले ऐसे संकेतक के रूप में काम करेगा जो सेवा क्षेत्र की अल्पकालिक आर्थिक गतिविधियों को मापेगा। यद्यपि एक समग्र सूचकांक आंकड़ा नहीं दिया गया है लेकिन यह सेवा क्षेत्र के मापन की गतिविधियों में एक अहम जुड़ाव है क्योंकि सेवा क्षेत्र देश की कुल आर्थिक गतिविधियों में आधे से अधिक का योगदान करता है। 2024-25 को आधार वर्ष बनाकर सूचकांक 19 औपचारिक उप क्षेत्रों की निगरानी करता है जो सेवा अर्थव्यवस्था का करीब 60 फीसदी हैं। अप्रैल 2026 की पहली रिपोर्ट व्यापक मजबूती दिखाती है जहां 19 में से 14 उप क्षेत्रों ने अप्रैल 2025 की तुलना में अप्रैल 2026 में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की।

आवास और खाद्य सेवाएं 37.2 फीसदी बढ़ीं। इसके बाद खुदरा व्यापार (30.8 फीसदी), प्रशासनिक और सहायक सेवाएं (28.7 फीसदी) और अचल संपत्ति (27.7 फीसदी) का स्थान रहा। उच्च भार वाले क्षेत्र जैसे सूचना प्रौद्योगिकी, खुदरा व्यापार और बैंकिंग ने भी मजबूत लाभ दर्ज किए, जिससे संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद सेवाओं की गतिविधि लचीली बनी रही। हालांकि वायु परिवहन क्षेत्र में 14 फीसदी की गिरावट आई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में इसमें 4.5 फीसदी की वृद्धि हुई थी। इससे पहले सेवा उत्पादन सूचकांक बनाने के प्रयासों को विश्वसनीय मासिक आंकड़े नहीं मिलने की वजह से समस्या का सामना करना पड़ा था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) नेटवर्क के विस्तार और प्रशासनिक डेटासेट की बढ़ती उपलब्धता ने हालात को बदला है। इसके चलते इस आईएसपी का निर्माण संभव हुआ और अब हम औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के समतुल्य मासिक आंकड़े सेवा क्षेत्र से भी प्राप्त कर सकते हैं। वास्तविक उत्पादन के मापन में सुधार का प्रयास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चूंकि सूचकांक सेवाओं के उत्पादन की मात्रा में बदलाव को मापता है जबकि अंतर्निहित आंकड़े केवल लेनदेन के मूल्य को दर्ज करते हैं इसलिए वास्तविक उत्पादन का अनुमान लगाने के लिए नॉमिनल टर्नओवर को मूल्य परिवर्तनों के अनुसार समायोजित करना आवश्यक है।

-सुनील कुमार महला

AI से एंट्री-लेवल नौकरियों पर खतरा, स्किलिंग बनी राष्ट्रीय प्राथमिकता

भारत में संगठित क्षेत्र के रोजगार पर तकनीक और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का सबसे चिंताजनक पहलू कुल कर्मचारियों की संख्या में बदलाव से नहीं बल्कि विभिन्न कर्मचारी वर्गों पर इसके असमान प्रभाव से जुड़ा है। यह असमानता अधिक समस्या पैदा कर सकती है। भारत का बैंकिंग क्षेत्र पहले से ही मानव संसाधन नियोजन में ऐसे हलचल के शुरुआती चरणों से गुजरता हुआ प्रतीत होता है। लगभग 18 लाख कर्मचारियों के साथ अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक भारत के संगठित क्षेत्र में नौकरियों के सबसे बड़े हिस्सेदारों में से हैं। अब इनमें से कुछ अपने कुल रोजगार संख्या में ठहराव या गिरावट दर्ज कर रहे हैं।

इस अखबार की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि देश के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने नौ वर्षों में पहली बार कर्मचारियों की संख्या में गिरावट दर्ज की। मार्च 2026 के अंत में एचडीएफसी बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 2.11 लाख बताई गई जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.6 फीसदी कम थी। इस गिरावट का कारण बैंक द्वारा तकनीक और एआई के बढ़ते उपयोग को माना जा रहा है।

एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों की संख्या को पर्यवेक्षी (सुपरवाइजरी) और गैरपर्यवेक्षी (गैर सुपरवाइजरी) श्रेणियों में विभाजित करने पर एक बिल्कुल अलग तस्वीर सामने आती है। मार्च 2026 के अंत तक गैर-पर्यवेक्षी कर्मचारियों की संख्या लगभग 5 फीसदी घट गई। वहीं पर्यवेक्षी कर्मचारियों की संख्या 11 फीसदी बढ़ी। स्पष्ट है कि तकनीक और एआई का असर गैर-पर्यवेक्षी कर्मचारियों पर अधिक दिखाई दे रहा है जहां केवल एक वर्ष में एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों की संख्या में 8,000 से अधिक की कमी हुई। इसके विपरीत पर्यवेक्षी कर्मचारियों की संख्या में 4,800 से अधिक की वृद्धि हुई।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक का प्रदर्शन इस क्षेत्र में बहुत अलग नहीं रहा। मार्च 2026 के अंत तक इसके कुल कर्मचारियों की संख्या 3.8 फीसदी बढ़कर 2.45 लाख हो गई। लेकिन यह वृद्धि मुख्य रूप से अधिकारियों (2.2 फीसदी) और एसोसिएट्स (8.8 फीसदी) की संख्या में वृद्धि से प्रेरित थी। इसके अधीनस्थ और अन्य कर्मचारियों की संख्या 7 फीसदी घट गई। दूसरे शब्दों में देश के सबसे बड़े बैंक ने भी अपने गैर-पर्यवेक्षी कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखी।

संभावना है कि अन्य बैंकों के भर्ती के आंकड़ों में भी ऐसा ही रुझान नजर आए। मानव संसाधन प्रबंधन की ऐसी रणनीति बैंकों के दृष्टिकोण से समझ में आती है। बैंकों के लिए यह आवश्यक है कि वे तकनीक को अपनाकर उत्पादकता लाभ हासिल करें और प्रतिस्पर्धी तथा लाभकारी बने रहें। इसी तरह के विचार अन्य क्षेत्रों में भी लागू होंगे जहां तकनीक और एआई का इस्तेमाल कार्यस्थलों में गैर-पर्यवेक्षी भूमिकाओं की आवश्यकता और दायरे को कम करेंगे।

इसलिए ऐसे परिदृश्य के निहितार्थों को उस देश के लिए नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए जिसे अपनी विशाल जनसंख्या को रोजगार प्रदान करना है। बैंक और अन्य संगठित क्षेत्र के नियोक्ता तकनीक को अपनाएंगे और अपनाना भी चाहिए। लेकिन सरकार की कौशल विकास और पुनर्कौशल नीतियों को इस चुनौती का सामना करना होगा। यही इस परिदृश्य के निहितार्थ और अनिवार्यताएं हैं।

भारत के नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों ने सही तर्क दिया है कि देश में नौकरियों के सृजन और उन्हें बनाए रखने के लिए कृषि क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता को कम किया जाना चाहिए। आज भी 46 फीसदी से अधिक भारतीय अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। इस हिस्सेदारी को घटाना आवश्यक है ताकि भारत की कृषि उत्पादकता में सुधार हो सके। लेकिन लोगों को कृषि से दूर ले जाना तभी संभव है जब कौशल विकास कार्यक्रम इस तरह तैयार किए जाएं कि लोग विनिर्माण क्षेत्र में नौकरियों के लिए प्रशिक्षित हो सकें। लक्ष्य यह होना चाहिए कि खेतों में काम करने वाले भारतीयों का एक हिस्सा छोटे और मध्यम उद्यमों में लाभकारी रोजगार पा सके।

लेकिन इस बदलाव को हासिल करना इतना आसान नहीं है। तकनीक और एआई के तेजी से बढ़ते उपयोग के साथ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम होंगे और यह कमी विशेष रूप से निम्न-स्तरीय नौकरियों में दिखाई देगी। जैसा कि बैंकिंग क्षेत्र पहले ही दिखा चुका है, उच्च स्तर पर नौकरी के अवसर बढ़ सकते हैं लेकिन गैर-पर्यवेक्षी स्तर पर नहीं। दूसरे शब्दों में कृषि क्षेत्र के श्रमिकों को निम्न-स्तरीय विनिर्माण या सेवा क्षेत्र की नौकरियों में स्थानांतरित करना चुनौतीपूर्ण होगा। इस चुनौती का सामना करने में विफलता के अपने सामाजिक निहितार्थ हैं। बिना प्रशिक्षण वाले कई युवा अपनी नौकरी के अवसरों को घटते हुए देखेंगे और लाभकारी रोजगार पाने में उनकी विफलता सामाजिक अशांति, आर्थिक संकट और सत्तारूढ़ दल के लिए राजनीतिक चुनौती का कारण बन सकती है।

दूसरी ओर यह बदलाव कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है यदि राज्य या स्थानीय स्तर पर कौशल विकास कार्यक्रम इस तरह तैयार किए जाएं कि वे कम कौशल वाली नौकरियों में लगे कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दें ताकि वे उभरती नई दुनिया में उपयोगी बन सकें। अकुशल श्रमिकों के लिए नौकरी के अवसर उन लोगों की तुलना में कम होंगे जो एआई और अन्य प्रासंगिक तकनीकों में पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित हैं। यहां तक कि वर्तमान विनिर्माण या सेवा क्षेत्र की नौकरियां, जहां अब तक साधारण, अकुशल श्रमिकों को रखा जा सकता था, वे आने वाले दिनों में तकनीकी रूप से प्रशिक्षित और एआई में कुशल कर्मचारियों की मांग करेंगी।

भारत के शीर्ष बैंकों के अलग-अलग मानव संसाधन आंकड़ों से संदेश स्पष्ट है। सरकार को अपने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय को मजबूत करना होगा जिसे 2014 में स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में स्थापित और उन्नत किया गया था। यह मंत्रालय पूरे देश में सभी कौशल विकास प्रयासों के समन्वय के लिए जिम्मेदार है। इसका उद्देश्य कुशल मानव संसाधन की मांग और आपूर्ति के बीच बढ़ते अंतर को दूर करना है। ऐसा व्यावसायिक और तकनीकी प्रशिक्षण ढांचा तैयार करके, कौशल उन्नयन करके, नए कौशल विकसित करके और नवोन्मेषी सोच को बढ़ावा देकर किया जाना है। यह केवल मौजूदा नौकरियों के लिए ही नहीं बल्कि उन नौकरियों के लिए भी आवश्यक है जो भविष्य में पैदा होने वाली हैं। मंत्रालय का दृष्टिकोण कुशल भारत का है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

मंदिरों में भ्रष्टाचारः वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है।

-ललित गर्ग

जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा नगर, नगर में हर्षोल्लास से निकली भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा

नगर में विभिन्न संगठनों ने किया रथयात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आ रही है पालकी, जय जगन्नाथ की...जगन्नाथ के भात, जगत पसारे हाथ...जय जगदीश हरे-हरे...जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ। ये जयकारे प्रातः से ही नगर में गूंज रहे थे। इन जयकारों के उद्घोष से वातावरण भगवान जगन्नाथ की भक्ति से सराबोर नजर आया। प्रतिवर्ष की तरह गुरूवार को नगर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली गई। रथयात्रा का विभिन्न संगठनों, समाजजनों और आमजनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए भी लोग लालायित रहे।

नगर के डांसी क्षेत्र में स्थित जगदीश मंदिर से सुबह भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलदाऊ की प्रतिमाओं को लेने के लिए विधायक अरूण भीमावद, भावसार समाज अध्यक्ष, जगन्नाथ समिति पदाधिकारी व वरिष्ठ समाजजन पहुंचे और भावसार मोहल्ला स्थित धमर्शाला में प्रतिमाओं को विशेष वाहन से लाया गया। यहां पर मां हिंगलाज माता मंदिर में भगवान जगन्नाथ की आरती विधि-विधान से की गई। इसके बाद प्रतिमाओं को विशेष रूप से तैयार कराए गए रथ में विराजित कर जयघोष के साथ रथयात्रा की शुरुआत की गई। मंदिर में समाजजनों ने भगवान जगन्नाथ की आरती की। इसके बाद धमर्शाला परिसर से रथयात्रा शुरू की गई। जो नगर के सोमवारिया बाजार, आजाद चौक, छोटा चौक, वजीरपुरा, धानमंडी चौराहा, महुपुरा रपट होते हुए डांसी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर पहुंची। रथयात्रा मार्ग पर जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया। अनेक भक्तों ने भगवान का पूजन किया और रथ के रस्से को खींचकर पुण्य लाभ लिया। यात्रा के दौरान रथ को रस्से से खींचते हुए भावसार समाज की महिलाएं, पुरुष, बच्चे सहित विभिन्न समाजजन और अन्य भक्त चल रहे थे। सबसे आगे बैंड और ढोल की धुन पर समाज की महिलाएं, पुरुष थिरकते हुए चल रहे थे। साढ़े 11 बजे डांसीपुरा स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंचने पर यात्रा का विश्राम कर भगवान को मंदिर में दोबारा विराजित किया गया। रथयात्रा में भावसार समाज अध्यक्ष तुलसीराम भावसार, जगन्नाथ मंदिर समिति संयोजक रामचंद्र भावसार, यात्रा प्रभारी पंकज भावसार, सह प्रभारी दीपक भावसार, विकास लाला भावसार, अशोक भावसार, महेश भावसार, डॉ. अभय भावसार, संतोष भावसार, महिला मंडल अध्यक्ष निशा बराड़े, सचिव भावना भावसार, उपाध्यक्ष सरोज भावसार, सविता भावसार सहित आसपास के जिलों के समाज अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने भी यहां पहुंचकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। रथयात्रा में समाजजनों के अलावा कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, सर्व हिन्दू उत्सव समित अध्यक्ष पं. आशीष नागर, विकास सिंदल, गोविंद नायक, दिलीप सिंदल, मनीष सोनी, रोहित विश्वकर्मा सहित नगर पालिका के सभापति, पार्षद एवं गणमान्यजनों ने रथ को खींचकर पुण्यलाभ अर्जित किया। नगर में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा भव्य रूप से निकाली गई। इस आयोजन में न सिर्फ भावसार समाज और नगर के गणमान्य नागरिकों ने सम्मिलित होकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया।

प्रतीक्षा के पश्चात मिले दर्शन- रथयात्रा को लेकर नगरवासियों का उत्साह भी देखते ही बनता था। रथयात्रा में भगवान के दर्शन के लिए भक्त प्रतिक्षा कर रहे थे। जैसे ही रथयात्रा पहुंची भक्तों की भीड़ भगवान के दर्शन के लिए जमा हो गई। जिन्होंने भगवान के दर्शन कर मंगल कामनाएं की। वहीं जहां-जहां से भी रथयात्रा गुजरी विभिन्न संगठनों ने रथयात्रा पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रथयात्रा को लेकर जिला पुलिस और प्रशासन भी अलर्ट रहा। पूरी रथयात्रा के दौरान पुलिस के जवान व्यवस्था संभाले हुए थे।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत रील बनाओ प्रतियोगिता के साथ परिचर्चा का आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस कृष्णाजीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत आर पी एफ देवास के साथ मिलकर प्राचार्य डॉ आर एस अनारे के मार्गदर्शन में एनएसएस इकाई द्वारा आज नशा मुक्त जागरूकता संबंधी रील, शॉर्ट वीडियो ओर शपथ का आयोजन किया गया। आर पी एफ के उपस्थित अधिकारी द्वारा उपस्थित छात्र छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव बताए और सभी से कहा कि परिवार में एक व्यक्ति नशा करता हे लेकिन उसके परिणाम सभी को प्रत्यक्ष्य और अप्रत्यक्ष्य रूप से सभी को भोगने पड़ते हे। रील के माध्यम से जागरूकता संदेश देने वाले प्रमुख वॉलेंटियर्स ईश्वर लोधी, मुस्कान लोधी, करण कुमावत, कुमकुम राठौर, खुशबू लोधी, दीक्षा ठाकुर, नितेश अहिरवार आदि के साथ महाविद्यालय स्टाफ के सदस्य डॉ रश्मि ठाकुर, डॉ सीमा सोनी, डॉ लीना दुबे, डॉ शकील खान, प्रो राकेश नगर कार्यक्रम अधिकारी प्रो राकेश कोटिया, इको क्लब और पर्यटन क्लब प्रभारी जितेन्द्र सिंह राजपूत आदि ने सहभागिता की।

खिलौने आधारित शिक्षण के लिए "Do-It-Yourself" कार्यशाला का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास शहरी परियोजना के सभाकक्ष में खिलौने आधारित शिक्षण के लिए "Do-It-Yourself" कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बताया कि कार्यशाला मुख्य उद्देश्य कबाड़ से जुगाड़ और स्थानीय सामग्री का उपयोग करके कम लागत वाले शैक्षिक खिलौने बनाना है, जिससे पढ़ाई को खेल-खेल में रोचक और आसान बनाया जा सके। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया कि घर और आंगनवांडी में आसानी से मिलने वाली बेकार वस्तुओं (जैसे- गत्ता, बेकार कागज़, पुरानी लकड़ी, और बीजों) का उपयोग करके आकर्षक और उपयोगी खिलौने बनाना है। बच्चों में रचनात्मकता, तार्किक सोच और व्यावहारिक ज्ञान का विकास करना है। गणित, विज्ञान और भाषा जैसे कठिन विषयों को खिलौनों के माध्यम से सरल किया जा सकता है। खिलौना परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी इससे बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला में पर्यवेक्षक एवं विभागीय अमला उपस्थित रहा। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री साबीर अहमद सिद्दीकी, परियोजना अधिकारी श्री मोहनलाल अहिरवार, पर्यवेक्षक, आंगनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित थी।

गोवर्धनाथ मंदिर हवेली में हुआ रथयात्रा महोत्सव का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। 350 वर्ष प्राचीन श्री गोवर्धन नाथ मंदिर हवेली में भी गुरूवार को रथयात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया। मंदिर के मुखिया निकुंज राहत एवं योगेश मेहता ने बताया कि मंदिर हवेली में यह परंपरा 350 वर्ष से अधिक समय से चली आ रही है । श्री मेहता ने बताया कि दोपहर 11.30 बजे से 12.30 तक ठाकुर जी के चार बार दर्शन हुए। इसके बाद ठाकुर जी को विभिन्न प्रसादी व्यंजनों का भोग लगाया गया। उन्होंने बताया कि आज के दिन विशेष रूप से प्रभु को जामुन और मूंग का प्रसाद चढ़ाया जाता है। इस अवसर पर सउ वैष्णव जनों ने प्रभु श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के भजनों से प्रभु का स्मरण किया।

दुबई से महंगा गिफ्ट मंगाना पड़ गया भारी, लग गई 39 हजार की चपत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की एक महिला को दुबई से महंगा गिफ्ट पार्सल के झांसे में आना महंगा पड़ गया, जिसके खाते से 39 हजार रू. की राशि गायब हो गई। महिला ने इसकी शिकायत साइबर पुलिस को की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को की गई शिकायत के अनुसार रामदयाल नगर निवासी अंजलि गुप्ता (25) ने बताया कि 7 जुलाई की सुबह करीब 11 बजे उनके व्हाट्सएप पर पाकिस्तान कंट्री कोड (92) वाले नंबर से फोन आया और सामने वाले ने खुद को इंस्टाग्राम से जुड़ा व्यक्ति बताते हुए दो आईफोन और एक लैपटाप गिफ्ट के रूप में भेजने का दावा किया। पहले तो आरोपी ने पार्सल भेजने के लिए 2 हजार रुपए प्रोसेसिंग शुल्क मांगा। जिसे महिला ने अपने भाई के माध्यम से भेजे गए क्यूआर कोड पर यह राशि ट्रांसफर कर दी। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से काल कर बताया गया कि पार्सल मुंबई एयरपोर्ट पर पहुंच गया है और उसे छुड़ाने के लिए 12.20 हजार रुपए जमा करने होंगे। महिला ने यह रकम भी क्यूआर कोड के जरिए ट्रांसफर करा दी।

10 मीनिट में पूरी राशि वापस भेजने का किया वादा

कुछ देर बाद ठग ने महिला को फोन कर बताया कि पार्सल में शामिल आईफोन के रजिस्ट्रेशन के नाम पर 25 हजार रुपए और देने होंगे। आरोपी ने महिला को भरोसा दिलाया कि पार्सल मिलने के 10 मिनट के भीतर पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। महिला उसकी बातों में आ गई और यह रकम भी जमा करा दी। लेकिन कुछ देर बाद जब आरोपी ने फिर फोन कर कहा कि पार्सल पुलिस ने पकड़ लिया है और उसे छुड़ाने के लिए और रुपए जमा करने होंगे। तब महिला को ठगी का एहसास हुआ। इसके बाद परिजनों ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया या विदेशी नंबरों से आने वाले गिफ्ट, लाटरी या पार्सल संबंधी लालच में न आएं और बिना सत्यापन किसी भी क्यूआर कोड पर पैसे ट्रांसफर न करें।

भगवान जगदीश स्वामी की रथयात्रा में हुए शामिल राजस्व मंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा और उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार सीहोर में परमार समाज द्वारा आयोजित भगवान जगदीश स्वामी की रथयात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर निकाली गई रथयात्रा में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

रथ यात्रा कार्यक्रम में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि भगवान जगदीश स्वामी की यह रथयात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज की एकता, परंपरा और सांस्कृतिक चेतना को भी प्रकट करती है। हम सभी ने सदैव सामाजिक समरसता, परिश्रम और धर्म के मार्ग को अपनाया है। यह एकता हमारे देश की प्रगति में एक मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि धर्म हमें सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है और ऐसे आयोजन नई पीढ़ियों को अपनी परंपरा से परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

सरकार का यह प्रयास है कि समुदाय में एक-दूसरे के प्रति सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और भाईचारे की सकारात्मक भावना विकसित हो। ताकि सभी मिलकर अपने क्षेत्र, अपने जिले, अपने राज्य और अपने देश के विकास में सामूहिक रूप से योगदान दे सकें। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भगवान जगदीश स्वामी की रथयात्रा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात व्यवस्थाओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने तथा सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने जिले की सड़कों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सड़कों के गड्ढों की मरम्मत नहीं होने पर नगर पालिका सीहोर के सीएमओ को फटकार लगाते हुए तत्काल गड्ढे भरने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क की खराब स्थिति दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनती है, इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत उपलब्ध कराई जा रही कैशलेस उपचार सुविधा का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद पात्र घायलों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा मृतक एवं घायलों को मिलने वाली राहत राशि के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण किया जाए।

जिले में धारा 138 एन.आई.एक्ट 1881 के प्रकरणों के निराकरण के लिए 18 जुलाई को आयोजित होगी विशेष लोक अदालत

विशेष लोक अदालत के लिए जिला और तहसील स्तर पर खंडपीठों का हुआ गठन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में 18 जुलाई शनिवार को जिले में धारा 138 एन.आई.एक्ट 1881 के अंतर्गत लंबित एवं प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण के लिए विशेष लोक अदालत' का आयोजन किया जाएगा। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए पंचम जिला न्यायाधीश श्री अभिषेक गौड़ को जिला समन्वयक नियुक्त किया गया है। जिले में अब तक 459 प्रकरण उक्त लोक अदालत में रखे जाने के लिए चिन्हित किए गए है। विशेष लोक अदालत के लिए जिला मुख्यालय सहित तहसील स्तर पर खण्डपीठ का गठन किया गया है। जो भी पक्षकार धारा 138 एन.आई.एक्ट 1881 के प्रकरण में राजीनामा से निराकरण कराना चाहते हैं, वह संबंधित न्यायालय में 18 जुलाई 2026 को बनाई गई खंडपीठ में अपने प्रकरण का निराकरण करा संपर्क करें।

जिला मुख्यालय के लिए खण्डपीठ में प्रथम जिला एवं सत्र न्यायालय देवास श्री उमाशंकर अग्रवाल एवं चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड देवास श्रीमती रश्मि अभिजीत मरावी का शामिल किया गया है। तहसील स्तर पर सोनकच्छ में जिला प्रथम जिला न्यायाधीश श्री राघवेन्द्र सिंह चौहान, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड श्री दशरथ सिंह भिड़े, बागली में प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड श्रीमती बबीता प्रजापत, कन्नौद में द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री अमित निगम, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड श्रीमती उषा उईके, खातेगांव में द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री विवेक शिवहरे, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती राधा उईके, टोंकखुर्द में व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड सुश्री आयुषी श्रीवास्तव को खंडपीठ में शामिल किया गया है।

अभाविप ने फूंका एनएसयूआई का पुतला

अपने ही संगठन की आदिवासी छात्रा से रेप का आरोप, कड़ी कार्रवाई व गिरफ्तारी की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गुरूवार को बस स्टैंड पर विरोध प्रदर्शन करते हुए एनएसयूआई का पुतला दहन किया। यह प्रदर्शन भोपाल में एनएसयूआई के छात्र नेता सुभाष यादव पर 23 वर्षीय आदिवासी छात्रा से कथित मारपीट और दुष्कर्म के आरोप में दर्ज एफआईआर के विरोध में किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अभाविप कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस दौरान अभाविप के प्रांत सह मंत्री मनोज जाट ने कहा कि छात्र हितों की बात करने वाले संगठन का वास्तविक चेहरा सामने आ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़ित छात्रा ने छात्र गूंज अभियान में मेहनत की, लेकिन उसी संगठन के पदाधिकारी पर उसके साथ दुष्कर्म का आरोप लगा है। विभाग छात्रा प्रमुख मोहिनी कासिया ने कहा कि यह घटना संगठन के भीतर कार्य करने वाली महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की। जिला संयोजक वंशराज सिंह जादौन ने कहा कि इस संवेदनशील मामले में किसी भी प्रकार का राजनीतिक संरक्षण या पुलिस कार्रवाई में देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रशासन से आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की और कहा कि अपराधियों को संरक्षण देने वाले भी जवाबदेह हैं। प्रदर्शन के दौरान अभाविप कार्यकर्ताओं ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग करते हुए नारेबाजी की।

6 साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा पत्नी का हत्यारा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं यह कहावत हम सभी बचपन से सुनते आ रहे हैं, जिसे पुलिस ने साबित भी कर दिया है, जिनके लंबे हाथ तमिलनाडू के कांचीपुरम पहुंच गए और पत्नी की हत्या कर ठिकाने और पहचान बदल-बदलकर छुपता फिर रहा आरोपी 6 साल बाद ही सही पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

जानकारी के अनुसार मामला 23 अक्टूबर 2020 का है। जब मूल रूप से देवास के रहने वाले 30 वर्षीय ललित पंचोली ने विजयनगर स्थित किराए के मकान में अपनी पत्नी की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की भी कोशिश की थी। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराओं में केस दर्ज किया था, जिसके बाद से ही वह लापता था। नवागत एसपी प्रियंका शुक्ला ने इस पुराने मामले को जल्द से जल्द सुलझाने के सख्त निर्देश दिए थे। इसके बाद एएसपी घनश्याम मालवीय और एसडीओपी अजय मिश्रा के नेतृत्व में एक स्पेशल टीम बनाई गई। सायबर सेल की जांच में सामने आया कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। वह ओडिशा, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु जैसे राज्यों में अपनी असली पहचान छिपाकर रह रहा था।

सायबर सेल ने तमिलनाडु के कांचीपुरम से दबोचा- पुलिस को उसकी सटीक लोकेशन तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में मिली। सूचना पुख्ता होते ही शाजापुर पुलिस की टीम ने कांचीपुरम में दबिश दी और ललित पंचोली को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया और उसे लेकर शाजापुर पहुंची और आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इस छह साल पुराने अंधे कत्ल के आरोपी को पकड़ने में लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुनसिंह मुजाल्दे, उपनिरीक्षक हेमंत पटेल, प्रभारी साइबर सेल प्रधान आरक्षक विकास तिवारी, प्रधान आरक्षक मुकेश पटेल, प्रधान आरक्षक जसवंत जाटव, आरक्षक अनिल सक्सेना, आरक्षक राजेश दांगी, आरक्षक घनश्याम राजपूत एवं आरक्षक रोहित बिलावलिया की उल्लेखनीय एवं सराहनीय भूमिका रही।

24 घंटे नाले में फंसे मवेशी को सुरक्षित निकाला

2 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन और रहवासियों की मदद से सुरक्षित निकाला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय आदित्य नगर स्थित गली नंबर-6 में एक नंदी 24 घंटे से अधिक समय तक गहरे नाले में फंसा रहा। सूचना मिलने पर गौरक्षा सेना के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने करीब दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

गौरक्षा सेना को 15 जुलाई की शाम करीब 7 बजे नंदी के नाले में फंसे होने की सूचना मिली। इसके बाद संगठन के संस्थापक धर्मेंद्र शर्मा, अध्यक्ष अशोक खींची सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे गौसेवकों ने देखा कि नंदी गंदगी से भरे गहरे नाले में फंसा हुआ था। कार्यकर्ताओं ने नाले में उतरकर उसे रस्सी बांधने की कोशिश की, लेकिन नंदी के सतर्क और आक्रामक होने के कारण रेस्क्यू अभियान चुनौतीपूर्ण हो गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद गौसेवकों ने नंदी के गले में रस्सी का फंदा डालकर उसे नियंत्रित किया। इसके बाद तीन रस्सियों की मदद से नंदी को नाले के शुरुआती हिस्से तक लाया गया। इस दौरान आसपास के लोग भी मदद के लिए आगे आए। सभी के सामूहिक प्रयास से नंदी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

लखपति दीदी इनिशिएटिव कार्यक्रम अंतर्गत विभागीय समन्वय कार्यशाला का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत महिला कृषकों, महिला पशुपालकों और उत्पादक कंपनियों से जुड़ी महिला किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभाकक्ष देवास में एक दिवसीय अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शासन, प्रशासन और अग्रणी वित्तीय संस्थाओं के समन्वय से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया।

कार्यशाला में महिलाओं को बैंक के माध्यम से कृषि एवं आजीविका के क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाने वाली ऋण योजनाओं, ब्याज अनुदान, आवेदन की प्रक्रिया, दस्तावेज के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में की जा रही सार्थक पहल के संबंध में जानकारी दी गई। विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

नाबार्ड के श्री ओजस्वी दीक्षित द्वारा दीदियों को सभी विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। पशुपालन विभाग के अधिकारियों द्वारा पशुपालन विभाग की बैकयार्ड पोलेट्री, बकरी पालन, पेडीग्रेड पाडा योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना, आचार्य विद्यासागर योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसमें आनलाइन एमपीएफएसटीएस पोर्टल, ड्रीप, मल्चींग, फलदार बगीचे एवं मसाला खेती के किये जाने के संबंध में जानकारी दी गई।

धार जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्विरोध संपन्नः मनोज सोमानी अध्यक्ष और मनोज पलौड़ बने सचिव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा एवं प्रादेशिक पश्चिमांचल माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत धार जिला माहेश्वरी सभा के त्रैवार्षिक चुनाव बुधवार को घाटाबिल्लौद के एक निजी गार्डन में घाटाबिल्लौद में सर्वसम्मति के साथ संपन्न हुए। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्धारित पदों के लिए प्राप्त आवेदनों के अतिरिक्त अन्य कोई आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण पूरी निर्वाचन प्रक्रिया सर्वसम्मति से निर्विरोध संपन्न हुई। यह निर्वाचन प्रक्रिया समाज के वरिष्ठ परामर्शदाता घनश्याम जाजू, मुख्य चुनाव अधिकारी प्रमोद शारदा, सहायक निर्वाचन अधिकारी कपिल माहेश्वरी एवं पर्यवेक्षक गिरधर शारदा के कुशल निर्देशन में विधिपूर्वक संपन्न कराए गए।

निर्वचन प्रकिया के पूर्व अतिथियों द्वारा भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की। पश्चात चुनाव अधिकारी द्वारा निर्वाचन प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी दी। उसके बाद सदन में ध्वनि मत से निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए मनोज सोमानी बदनावर मनोनीत किए गये वही सचिव पद पर मनोज पलोड राजगढ़ को नियुक्त किया गया नवगठित कार्यकारिणी में समाज के वरिष्ठ एवं ऊर्जावान सदस्यों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संदीप झंवर गुड्डू बाग, उपाध्यक्ष पद पर उमाकांत चांडक टांडा, संजय सत्यनारायण अगाल बाग, संगठन मंत्री पद पर दिलीप बाहेती, कोषाध्यक्ष पद पर मधुसूदन बाहेती राजोद, संयुक्त सचिव पद पर दीपक चांडक एवं प्रचार मंत्री पद पर कमल धुत धार मनोनीत किए गए। वही धार जिला माहेश्वरी सभा के साथ-साथ अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा और पश्चिमांचल प्रादेशिक स्तर पर भी समाजजनों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी गई, जिसमें अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा हेतु प्रतिनिधि पद पर जय तापड़िया बाग को मनोनीत किया गया, तथा पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी सभा हेतु कार्यसमिति सदस्य रोहित झंवर बाग, कार्यकारी मंडल सदस्य पद पर शैलेंद्र लड्ढा सुसारी, राजेश अगाल पीथमपुर, श्याम भांगड़िया सागौर, प्रहलाद आगीवाल धामनोद, एवं प्रदीप अगाल बाग मनोनीत किए गए। जिला कार्यकारिणी के निर्विरोध निर्वाचन पर समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति और युवा संगठन ने शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का पुष्पहारों से स्वागत किया। समाजजनों ने विश्वास जताया है कि नई टीम के नेतृत्व में धार जिले में माहेश्वरी समाज सेवा और संगठन के नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम का संचालन रोहित झंवर बाग ने किया, स्वागत भाषण निवर्तमान अध्यक्ष नारायण लड्ढा ने दिया। आभार समाज के वरिष्ठ परामर्शदाता घनश्याम जाजू घाटाबिल्लौद ने माना।

नगरीय निकायों में संध्याकालीन शिविरों के द्वितीय चरण का हुआ शुभारंभ

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार जिले की समस्त 08 नगरीय निकायों में बुधवार से वार्ड स्तरीय संध्याकालीन शिविरों के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया गया। शिविर जनप्रतिनिधियों एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किए गए, जहां नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण की कार्रवाई की गई।प्रथम दिवस नगर पालिका जावरा के वार्ड क्रमांक 1 एवं 2 तथा जिले की 7 नगर परिषदों के वार्ड क्रमांक 1 में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों में 7 पेयजल संबंधी थीं, जिनमें से 2 का तत्काल समाधान किया गया। स्वच्छता से जुड़ी 9 शिकायतों में से 7 का मौके पर निराकरण किया गया। इसके अतिरिक्त स्पीड ब्रेकर निर्माण तथा विद्युत डीपी के आसपास तार फेंसिंग से संबंधित 2 शिकायतें भी प्राप्त हुईं, जिन पर आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। पीओ डूडा श्री अरुण कुमार पाठक ने बताया कि संध्याकालीन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का वार्ड स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, जिससे लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जिले की सभी नगरीय निकायों में यह अभियान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा।

आज कलेक्ट्रेट में होगी दिशा कमेटी की बैठक

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी की अध्यक्षता में आज, 17 जुलाई 2026 को दोपहर 1ः30 बजे कार्यालय कलेक्टर, में दिशा कमेटी की बैठक आयोजित की जा रही है। बैठक में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसमें किसान कल्याण तथा कृषि विभाग, सांसद निधि के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों, जल निगम एवं जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी, एमपीआरडीए, एमपीआरडीसी एवं लोक निर्माण विभाग की सड़कों, जल संसाधन विभाग तथा शिक्षा विभाग से संबंधित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग से संबंधित समस्त जानकारी पीपीटी एवं फोल्डर के साथ अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। साथ ही सभी विभागों के अधिकारियों को इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

म.प्र.राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री मालवीय आज, 17 जुलाई को आएंगे आगर-मालवा

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य श्री रामलाल मालवीय आज, 17 जुलाई 2026, शुक्रवार को आगर-मालवा जिले के प्रवास पर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री रामलाल मालवीय का आज, 17 जुलाई शुक्रवार को उज्जैन से प्रस्थान कर प्रातः 10ः30 बजे सर्किट हाउस आगर-मालवा आगमन होगा। इसके पश्चात 11ः30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हितार्थ शासन द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक लेंगे। दोपहर 1ः00 बजे सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के नागरिकों से भेंट करेंगे। इसके बाद दोपहर 3ः00 बजे नलखेड़ा जाकर स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

महिदपुर पुलिस द्वारा बिना नम्बर के पीकअप वाहन से की 30 लीटर अवैध जहरीली शराब जप्त

आरोपी गण को न्यायालय पेश कर लिया पुलिस रिमाण्ड

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अधीक्षक महोदय श्री प्रदीप शर्मा, श्रीमान अति.पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) जिला उज्जैन श्री करणदीप सिह (भापुसे) , श्रीमान एसडीओपी महोदय श्री जेंडेन लिंगज़ेरपा (भापुसे) के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महिदपुर के नेतृत्व में 30 लीटर अवैध जहरीली शराब जप्त कर आरोपी गण को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर पुलिस रिमाण्ड लिया गया ।

घटना का सक्षिप्त विवरणः– दिनांक 16.07.2026 को रसुलपुरा फन्टे पर मुखबिर की सूचना पर से एक बिना नम्बर की पीकअप वाहन की तलाशी लेने पर पीकअप के अन्दर 30 लीटर अवैध जहरीली शराब आरोपी गण 1. सुरेश पिता कालुराम जाति गायरी उम्र 30 साल निवासी खासपुरा आलोट जिला रतलाम 2.धीरब पिता धुला जाति कंजर उम्र 22 साल निवासी ग्राम अरनिया डेरा थाना गंगधार जिला झालावाड राजस्थान के कब्जे से मिलने पर थाना महिदपुर पर अपराध क्रमांक 284/2026 धारा 49 ए आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी गण को गिरफ्तार कर न्यायालय महिदपुर पेश किया गया था जहाँ से आरोपी गण का पुलिस रिमाण्ड लिया गया । आरोपी गण से अवैध शराब के स्त्रौत व अन्य अपराधो में पूछताछ की जाना है ।

जप्त मश्रुकाः तीस लीटर अवैध जहरीली शराब व एक बिना नम्बर की पीकअप कुल कीमत करीबन पाँच लाख तीन हजार रुपये

सराहनीय भूमिकाः- उक्त प्रसंशनीय कार्य में थाना महिदपुर पुलिस टीम निरी.अशोक पाटीदार, उनि सुखसेन अरियाम , उनि अन्नपूर्णा कठेरिया , प्रधान आर 281 नारायणसिह , आर 1233 चन्द्रभान, आर 286 लेखराज , आर 2020 मोसीम , आर 1724 संजयसिह , आर 1081 समरथ पाटीदार की सराहनीय भूमिका रही है ।

बड़ोली होज के युवाओं का कहना, गौ सेवा परम धर्म हो अपना

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के डिजिटल युग के जमाने में युवाओं में मोबाइल एवं सोशल मीडिया का चलन आम हो चुका है, लेकिन इसी के विपरीत कुछ युवा ऐसे भी हैं जो अपने धर्म के प्रति एवं गौ माता के प्रति सच्ची निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। ग्राम बडोली होज के हरिओम मकवाना, बंधन जाधव, हरिओम दयाल, अनुराज दयाल कुलदीप दयाल, चेतन दयाल, मयूर दयाल, प्रवीण सोलंकी,एवं उनकी मित्र मंडली विगत 6 महीनो से विश्व के पांचवें धाम श्री 24 अवतार मंदिर में स्थित गौशाला में हरे चारे का दान देकर पुण्य अर्जित कर रहे हैं, यह पहल आज के युवाओं में प्रेरणा का मुख्य विषय बनी हुई है।

आलोट सिविल अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट सिविल अस्पताल में रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। क्षेत्र के हर नागरिक को बेहतर, त्वरित और सुलभ चिकित्सा सुविधाएं मिलें। इसी दिशा में स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा की और जनता के हित में कई कड़े फैसले लिए बैठक में क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़ावदा में एक्स-रे सुविधा प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया।

आलोट विकासखंड अंतर्गत ANM के रिक्त पदों की पूर्ति एवं ANM का अटैचमेंट समाप्त करने हेतु निर्देशित किया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताल में एक्स-रे मशीन एवं पानी की समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

खारवाकला, मंडावल सहित CHC एवं PHC में

शौचालयों व परिसर की साफ-सफाई में पाई गई कमियों के निराकरण हेतु संबंधित कंपनी को नोटिस देने की अनुशंसा की।

लसुड़िया सूरजमल उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं संजीवनी क्लिनिक विक्रमगढ़ में अतिक्रमण के निराकरण हेतु CMHO एवं SDM को निर्देशित किया।

सिविल हॉस्पिटल आलोट में आधार केंद्र एवं कैंटीन संचालन हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। सिविल हॉस्पिटल आलोट में डायलिसिस केंद्र की व्यवस्था करने हेतु CMHO के समक्ष प्रस्ताव रखा।

सिविल हॉस्पिटल आलोट में ब्लड स्टोरेज यूनिट प्रारंभ करने की अनुशंसा की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ताल एवं खारवाकला में OPD शुल्क 10 करने की अनुशंसा की।

डिलीवरी सेवाओं के दौरान शुल्क लिए जाने की शिकायत पर CMHO एवं BMO को त्रुटि दूर करने हेतु निर्देशित किया।

सिविल हॉस्पिटल आलोट में नवीन भवन निर्माण हेतु प्रस्ताव भेजने की अनुशंसा की एवं स्थान चिन्हित करने के लिए स्थरूको निर्देशित किया।

ऑर्थोपेडिक (हड्डी रोग) विशेषज्ञ की नियुक्ति हेतु CMHO को निर्देशित किया।

स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनेकोलॉजिस्ट) की नियुक्ति हेतु CMHO को निर्देशित किया।

अस्पताल परिसर में जलभराव की समस्या को दूर करने हेतु BMO को निर्देशित किया।

बैठक में आलोट जनपद अध्यक्ष कालू सिंह जी परिहार, जिला पंचायत सदस्य रमेश जी मालवीय, ओपेंद्र सिंह जी, अनिल चोपड़ा जी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रतलाम डॉ. किरण जी वाडिया, स्थरू आलोट विवेक जी सोनकर, BMO आलोट डॉ. देवेंद्र जी मौर्य, लेखापाल प्रशांत जी जोशी, BPM मुकेश जी राठौड़, MO डॉ. अब्दुल जी, डॉ. रोहित जी चौधरी सहित विभिन्न ब्लॉकों के स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सभी किसान 31 जुलाई तक कराएं खरीफ फसलों का बीमा

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ-2026 की फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। जिले के सभी ऋणी एवं अऋणी कृषकों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी फसलों का बीमा अवश्य कराएं।

ऋणी कृषकों का फसल बीमा सामान्यतः संबंधित बैंक द्वारा किया जाता है। यदि किसी कारणवश बैंक द्वारा बीमा नहीं किया गया हो, तो संबंधित कृषक तत्काल अपनी बैंक शाखा से संपर्क कर फसल बीमा करवाना सुनिश्चित करें। अऋणी कृषक तथा जिन किसानों का किसी कारण से फसल बीमा नहीं हो पाया है, वे निकटतम सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, जन सेवा केंद्र अथवा एमपी ऑनलाइन केंद्र पर जाकर निर्धारित समय सीमा के भीतर फसल बीमा करा सकते हैं। इससे प्राकृतिक आपदा, प्रतिकूल मौसम अथवा फसल उत्पादन में कमी की स्थिति में योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड में झाबुआ प्रदेश में प्रथम

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड की जून 2026 की प्रगति रैंकिंग में झाबुआ जिले ने प्रदेशभर में प्रथम स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जारी रैंकिंग में झाबुआ जिले को 33.70 अंक प्राप्त हुए हैं। यह उपलब्धि कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन एवं जिले के विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

जिले की इस सफलता में सहकारिता विभाग एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (डीसीसीबी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डीसीसीबी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ए.आई. खान के नेतृत्व में बैंक अधिकारियों श्री विधान कनेश एवं श्री रामचन्द्र पालीवाल सहित समस्त अमले द्वारा किसानों तक शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण डैशबोर्ड के अंतर्गत सहकारिता क्षेत्र में झाबुआ जिले ने 74.94 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सहकारिता विभाग एवं डीसीसीबी द्वारा किसानों को समयबद्ध एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए गए, जिनका सकारात्मक परिणाम प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में देखने को मिला।

डीसीसीबी द्वारा खरीफ एवं रबी सीजन के लिए पात्र किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर फसली ऋण उपलब्ध कराया गया, जिससे किसानों को समय पर कृषि कार्यों के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इसके साथ ही प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से किसानों को खाद, बीज एवं अन्य आवश्यक कृषि आदानों की उपलब्धता भी समय पर सुनिश्चित की गई।

बैंक द्वारा विशेष अभियान संचालित कर अधिक से अधिक पात्र किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनाए गए तथा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार किया गया। साथ ही वित्तीय अनुशासन, ऋण वसूली, ऑनलाइन मॉनिटरिंग एवं विभिन्न प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) में भी उत्कृष्ट कार्य किया गया।

ठेकेदार की दबंगई और लापरवाही की भेंट चढ़ी किसान की मेहनत; 5 बीघा सोयाबीन की फसल हुई पूरी तरह बर्बाद!

देपालपुर में जैनको इंटरप्राइजेज का तांडव- स्कूल तोड़ने से लेकर खेतों को डुबोने तक, विवादों में घिरी करोड़ों की सड़क परियोजना

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास के नाम पर विनाश का खेल कैसे खेला जाता है, इसकी जीती-जागती तस्वीर इंगोरिया से देपालपुर मार्ग पर देखने को मिल रही है। आगामी सिंहस्थ के मद्देनजर करोड़ों रुपए की लागत से बनाई जा रही सड़क अब क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों के लिए आफत का सबब बन चुकी है। सड़क का निर्माण कर रही जैनको इंटरप्राइजेज कंपनी की घोर लापरवाही के चलते एक पीड़ित किसान की 5 बीघा में बोई गई सोयाबीन की फसल पूरी तरह पानी में डूबकर नष्ट हो गई है।

न्याय मांगने पर मिली धमकी% – पीड़ित किसान शिवनारायण चौहान (उम्र 42 वर्ष) ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि सड़क का निर्माण तो किया जा रहा है, लेकिन पानी की निकासी के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी गई। सड़क किनारे पानी के निकास का कोई रास्ता नहीं होने के कारण बारिश का पूरा पानी बहकर मेरे खेत में जमा हो गया। मेरी 5 बीघा की सोयाबीन फसल सड़कर पूरी तरह बर्बाद हो गई। जब मैं अपनी फरियाद लेकर ठेकेदार के पास गया, तो उसने अपनी गलती मानने के बजाय मुझे ही खुलेआम धमकाना और दबंगई दिखाना शुरू कर दिया।

जैनको इंटरप्राइजेज- विवादों और घोटालों का लंबा- इतिहासयह कोई पहली बार नहीं है जब इस निर्माण कंपनी पर उंगलियां उठी हैं। काम शुरू होने के बाद से ही यह कंपनी लगातार विवादों के घेरे में रही है- बिरगोदा गांव के सरकारी स्कूल पर चलाया हथौड़ा- इससे पहले बिरगोदा के सरकारी स्कूल की बाउंड्रीवॉल और रसोई घर को कंपनी ने बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से ढहा दिया था। ग्रामीणों के भारी आक्रोश और थाने के मामला थाने पहुंचा इसके बाद पुलिस ने कंपनी के ठेकेदारों के खिलाफ केस दर्ज करना पड़ा था। प्रकृति के साथ खिलवाड़- सड़क किनारे लगे दर्जनों हरे-भरे पेड़ों को बेरहमी से काट दिया गया है, जिसकी कोई अनुमति नहीं थी। जिसके वीडियो सामने आए हैं।

बलराम कृषि महोत्सव की तैयारियों का कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर कृषि वर्ष के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का राज्य स्तरीय शुभारंभ 15 जुलाई को इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया।

इसी क्रम में झाबुआ जिले में 19 जुलाई को आम्बा पैलेस में जिला स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के वर्चुअल रूप से शामिल होना प्रस्तावित है। कार्यक्रम के सफल, सुव्यवस्थित एवं गरिमामय आयोजन को लेकर कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने गुरुवार को आम्बा पैलेस स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, उच्च गति इंटरनेट कनेक्टिविटी, एलईडी स्क्रीन एवं ध्वनि व्यवस्था, मंच की सुदृढ़ व्यवस्था, अतिथियों एवं कृषकों के लिए पर्याप्त बैठक व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, प्रवेश एवं निकास मार्ग, साफ-सफाई, शौचालय, छायादार प्रतीक्षा स्थल तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में जिले के बड़ी संख्या में कृषकों की सहभागिता रहेगी, इसलिए प्रत्येक विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करे। किसी भी स्तर पर अव्यवस्था या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की उपलब्धता, अग्निशमन व्यवस्था, आपातकालीन सहायता दल, विद्युत बैकअप (जनरेटर), निर्बाध इंटरनेट एवं तकनीकी सहायता दल की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए, ताकि मुख्यमंत्री के वर्चुअल संबोधन सहित कार्यक्रम का संचालन बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों को विभागीय योजनाओं, नवीन कृषि तकनीकों एवं नवाचारों पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाने, कृषकों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने तथा हितग्राहीमूलक गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, शासन की योजनाओं एवं स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए सभी तैयारियां गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण की जाएं। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्रसिंह चौहान, अपर कलेक्टर श्री सी. एस. सोलंकी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत कैथोलिक मिशन स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नशा मुक्ति का संकल्प लेकर विद्यार्थियों ने लिया समाज को जागरूक बनाने का दायित्व

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार तथा कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा पुलिस विभाग, झाबुआ के संयुक्त तत्वावधान में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत गुरुवार को कैथोलिक मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल, झाबुआ में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों, उससे बचाव के उपाय तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग की ओर से एसडीओपी झाबुआ श्री कमलेश शर्मा ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति से होने वाली दुर्घटनाओं एवं अपराधों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने और अपने साथ-साथ समाज को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित करता है।

उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री पंकज सांवले ने जिले में संचालित नशा मुक्त भारत अभियान की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं परिचितों को एनएमबीए (नशा मुक्त भारत अभियान) पोर्टल पर ऑनलाइन शपथ लेकर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से नशा मुक्ति मित्र बनकर अभियान से जुड़ने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की अपील की।

सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सुश्री निधि ठाकुर ने विद्यार्थियों को नशे की लत के प्रारंभिक लक्षण, रोकथाम के प्रभावी उपाय तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति से संबंधित सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने मानस हेल्पलाइन-1933 एवं नशा मुक्ति हेल्पलाइन-14446 के बारे में भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से ज्योति दीदी ने प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया। वहीं विश्व गायत्री परिवार के श्री घनश्याम दास बैरागी ने आत्मबल, चरित्र निर्माण एवं जनकल्याण के लिए नशामुक्त जीवन को आवश्यक बताते हुए विद्यार्थियों को सकारात्मक जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने नशा मुक्ति की शपथ लेकर स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती आभा तोमर ने किया तथा आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य फादर निरंजन ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर सजीता, श्री ललित बैरागी, पुलिस विभाग से श्री अशफाक खान, श्री वेसता सोलंकी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर कलेक्टर का सुसनेर दौरा, होल्डिंग एरिया के लिए स्थलों का निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रीति यादव ने गुरुवार को सुसनेर एवं सोयतकलां क्षेत्र का दौरा कर प्रस्तावित होल्डिंग एरिया स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुसनेर-आगर मार्ग पर टोल प्लाजा के समीप तथा ग्राम आकली स्टेडियम परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों से चर्चा की और इन स्थलों को होल्डिंग एरिया के लिए उपयुक्त बताया।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि लगभग एक हजार वाहनों की पार्किंग क्षमता वाला होल्डिंग एरिया विकसित किया जाए, जहां श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, बिजली, छायादार विश्राम स्थल एवं शौचालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए संबंधित विभागों को शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आकली स्टेडियम के बाहर मुख्य मार्ग पर सड़क किनारे संचालित अवैध गुमटियों, अस्थायी होटल और ढाबों को तत्काल हटाने तथा पूरे मार्ग को अतिक्रमण मुक्त रखने के निर्देश तहसीलदार को दिए। इसके बाद उन्होंने सोयतकलां के डोंगरगांव स्थित राजस्थान सीमा के टोल प्लाजा क्षेत्र का भी निरीक्षण कर वहां श्रद्धालुओं के ठहराव के लिए होल्डिंग एरिया विकसित करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ बी.एस.सोलंकी, एसडीएम देवकुंवर सोलंकी, एसडीओपी देवकरण यादव, जिला जनसंपर्क अधिकारी जगदीशचंद्र मालवीय, थाना प्रभारी अक्षय सिंह सहित राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत शपथ ग्रहण आयोजित

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, सुसनेर में प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता के निर्देशन में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए अत्यंत हानिकारक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से समाज में भी नशामुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन न करने तथा दूसरों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने की शपथ ली।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना तथा स्वस्थ, सुरक्षित एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

खाद्य एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर सभा कक्ष में खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग तथा जिले की सभी सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के प्रभावी संचालन, शासकीय योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने तथा विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने विभिन्न योजनाओं के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

बैठक के दौरान कलेक्टर डॉ. भरसट ने खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग तथा सभी सहकारी संस्थाओं के प्रबंधकों द्वारा आपसी समन्वय के साथ किए जा रहे जनहितैषी कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि विभागीय समन्वय और सक्रिय कार्यशैली के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी योजनाओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि प्रत्येक उचित मूल्य दुकान स्तर पर आयुष्मान कार्ड एवं बाहर जाने वाले परिवारों का पृथक रजिस्टर तैयार किया जाए। इस रजिस्टर में राशन प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र परिवार के आयुष्मान कार्ड बनने की अद्यतन स्थिति दर्ज की जाएगी। जिन हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बने हैं, उनका चिन्हांकन कर शीघ्र कार्ड बनवाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि वे शासन की स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

इसके साथ ही रोजगार अथवा अन्य कारणों से जिले अथवा राज्य से बाहर जाने वाले परिवारों का भी पृथक विवरण इस रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि बाहर जाने वाले परिवारों की सही एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध रहने से शासन की योजनाओं का लाभ उन्हें निरंतर मिलता रहेगा तथा आवश्यकतानुसार उनकी मॉनिटरिंग भी प्रभावी ढंग से की जा सकेगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य %वन नेशन, वन राशन कार्ड% योजना को और अधिक प्रभावी बनाना है। बाहर जाने वाले पात्र हितग्राहियों की जानकारी उपलब्ध होने से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वे जिस राज्य या जिले में कार्य कर रहे हैं, वहां भी अपने पात्रता अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से बिना किसी बाधा के राशन प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही केवल स्थान परिवर्तन के कारण खाद्यान्न से वंचित नहीं रहना चाहिए।

बैठक में जिले के सभी सहकारी संस्था प्रबंधकों एवं उचित मूल्य दुकान संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित प्रारूप में आवश्यक सभी जानकारी के साथ रजिस्टर तैयार कर उसका नियमित संधारण करें। प्रत्येक प्रविष्टि अद्यतन एवं प्रमाणिक हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी समीक्षा बैठक में सभी संस्था प्रबंधक एवं संबंधित राशन विक्रेता उक्त रजिस्टर के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित होंगे तथा उसकी प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की जाएगी।

बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी श्री महेश बड़ोले, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के श्री संजय पाटील एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों सहित जिले की समस्त सहकारी संस्थाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष नारायण सिंह सिसोदिया का किया स्वागत

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष पद पर नारायण सिंह सिसोदिया को मनोनीत किए जाने पर गुरुवार को सुसनेर में उनका भव्य स्वागत किया गया। सांसद प्रतिनिधि मुकेश के निवास पर आयोजित स्वागत समारोह में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य चिंतामणि राठौर, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा महामंत्री कालू सिंह, सरपंच जसवंत सिंह, रामचंद्र तंवर, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा, युगल किशोर परमार, कमल गर्ग, शिव सिंह ने सिसोदिया को साफा बांधकर एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं ने सिसोदिया के मनोनयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा संगठन को नई मजबूती मिलेगी और किसान हित के मुद्दों को और प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी पदाधिकारियों ने जिला संगठन द्वारा किए गए इस निर्णय के लिए जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

जहरीले सर्पदंश के बाद 8 वर्षीय बालक विनय को जिला चिकित्सालय बड़वानी के पीआईसीयू में मिला नया जीवन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पलसूद क्षेत्र के ग्राम जालखेड़ा निवासी 8 वर्षीय बालक विनय को जहरीले सर्पदंश के बाद गंभीर अवस्था में जिला चिकित्सालय बड़वानी के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की तत्परता और निरंतर उपचार से बालक को नया जीवन मिला। जानकारी के अनुसार, दिनांक 10 जुलाई 2026 की शाम को विनय अपने घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह अचानक रोने लगा और परिजनों को बताया कि उसे किसी जीव ने काट लिया है। इसके तुरंत बाद उसे लगातार उल्टियां होने लगीं। बालक के पिता दीवान सिंह ने बिना समय गंवाए उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पलसूद पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला चिकित्सालय बड़वानी के पीआईसीयू में रेफर किया गया। पलसूद से बड़वानी लाते समय बालक की हालत लगातार बिगड़ती गई, वह बोलना बंद कर दिया, बेहोश हो गया तथा उसे सांस लेने में गंभीर तकलीफ होने लगी। पीआईसीयू पहुंचते ही डॉ. पुष्पेन्द्र सतपुड़ा (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. अमीचंद चौहान (शिशु रोग विशेषज्ञ) एवं नर्सिंग ऑफिसर्स की टीम ने तत्काल बालक का परीक्षण एवं उपचार प्रारंभ किया।

भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना से मिला नया आयाम, डिजिटल एक्स-रे यूनिट स्थापित कर आत्मनिर्भर बने रविन्द्र मोरी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दृढ़ संकल्प, मेहनत और शासन की स्वरोजगार योजनाओं का समुचित लाभ मिलने पर सफलता का मार्ग स्वतः प्रशस्त हो जाता है। इसका प्रेरणादायक उदाहरण झाबुआ जिले के ग्राम काकनवानी निवासी श्री रविन्द्र मोरी हैं, जिन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना का लाभ लेकर डिजिटल एक्स-रे यूनिट स्थापित की और आज आत्मनिर्भर बनकर न केवल स्वयं सम्मानपूर्वक आजीविका अर्जित कर रहे हैं, बल्कि एक अन्य व्यक्ति को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद श्री रविन्द्र मोरी निजी क्षेत्र में कार्यरत थे, लेकिन वे स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर समाज की सेवा करना चाहते थे। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र मंय रुचि होने के कारण उन्होंने डिजिटल एक्स-रे सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया। व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए आवश्यक पूंजी की व्यवस्था हेतु उन्होंने मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ऋण प्राप्त करने का निर्णय लिया।

उन्होंने आदिवासी वित्त एवं विकास निगम, झाबुआ कार्यालय में संपर्क किया, जहाँ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें योजना की जानकारी देने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। निगम द्वारा उनके दस्तावेजों का परीक्षण कर ऋण प्रकरण एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से भारतीय स्टेट बैंक, एम.जी. रोड शाखा, थांदला को प्रेषित किया गया। बैंक द्वारा परीक्षण उपरांत उन्हें 8.16 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। ऋण स्वीकृत होने के बाद श्री रविन्द्र मोरी ने श्री सांवलिया जी डिजिटल एक्स-रे के नाम से अपनी इकाई प्रारंभ की। वर्तमान में वे अपने व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं तथा अपनी इकाई में एक व्यक्ति को सहायक के रूप में रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं।

श्री रविन्द्र मोरी बताते हैं कि एक समय ऐसा था जब वे स्वयं रोजगार की तलाश में भटक रहे थे, लेकिन आज वे सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हैं। वे अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम द्वारा संचालित भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना को देते हैं।

उन्होंने जिले के युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि यदि मन में कुछ करने का दृढ़ संकल्प हो और शासन की योजनाओं का सही लाभ लिया जाए, तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने युवाओं से रोजगार तलाशने के बजाय स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनने का संदेश भी दिया।

किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर पूर्व विधायक राणा ने नारायण सिंह सिसोदिया का किया स्वागत

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ **दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष पद पर नारायण सिंह सिसोदिया की नियुक्ति पर मंगलवार को उनका भव्य स्वागत किया गया। पूर्व विधायक राणा विक्रम सिंह ने सिसोदिया को पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया और संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से निभाने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य कालू सिंह गणेशपुरा, बजरंग पाटीदार मंडल अध्यक्ष मोड़ी, सुसनेर मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, पार्षद प्रतिनिधि जितेंद्र सावला सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राशन घोटाले करने वाले प्रबंधक और विक्रेता को जेल

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरीबों के हक के राशन में कथित गड़बड़ी करने वाले आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित मेणीमाता द्वारा संचालित उचित मूल्य दुकान बोरी ग्राम सामरखेड़ा के प्रबंधक लालसिंग पिता नानसिंग चौहार और विक्रेता राजू पिता बिहारी अलावे को न्यायालय ने दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। बहुचर्चित राशन वितरण अनियमितता प्रकरण में न्यायालय ने पाया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न के वितरण एवं स्टॉक में गंभीर अनियमितताएं हुई थीं।

कलेक्टर ने सिहोरा विकाखंड के भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र, सांदीपनि विद्यालय, आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने आज सिहोरा विकासंखड के खितौला स्थिति आरोग्यम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। श्री सिंह ने स्वास्थ्य केन्द्र के ओपीडी, दवा भंडार कक्ष, टीकाकरण कक्ष एवं दवा वितरण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रोजाना आने वाले ओपीडी के मरीजों की जानकारी ली। साथ ही उन्हें दवाओं की उपलब्धता की जानकारी लेते हुए दवा वितरण के रिकार्ड की जांच की। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र के एनएचएम, सीबीएमओ को दवा वितरण का रिकार्ड और बेहतर करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने वैक्सीन भंडार कक्ष में रिकार्ड अपडेट नहीं मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही कर नोटिस जारी करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, सिहोरा एसडीएम ज्योति परस्ते, सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण - कलेक्टर श्री सिंह ने सिहोरा प्रवास के दौरान शास्त्री वार्ड सिहोरा स्थिति एकीकृत बाल विकास सेवा आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनवाड़ी में पढ़ रहे बच्चों के साथ आत्मीय संवाद कर उनसे कहानी एवं कविताएं भी सुनी। श्री सिंह ने आंगनवाड़ी में बच्चों की संख्या एवं उन्हें मिलने वाले पोषटिक आहार की जानकारी भी ली। श्री सिंह ने आंगनवाड़ी केन्द्र का भवन निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने आंगनवाड़ी के निर्माण कार्य की खराब गुणवत्ता को देखते हुए संबंधित सब इंजीनियर पर कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये।

सांदीपनि विद्यालय में चल रहे निर्माण कार्य का किया अवलोकन - कलेक्टर श्री सिंह ने सिहोरा स्थित सांदीपनि विद्यालय के अंतिम चरण में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय का निर्माण कार्य समय सीमा पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री सिंह ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से विद्यालय में विद्यार्थियों के प्रवेश की जानकारी ली। साथ ही पुराने विद्यालय से सांदीपनि विद्यालय में शिफ्ट होने वाले विद्यार्थियों की जानकारी भी ली।

कलेक्टर ने विद्यालय के क्लासरूम, प्रायोगिक कक्ष का बारीकी से अवलोकन कर मजदूरों की संख्या बढ़ाकर इस माह के अंत तक कार्य पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, एसडीएम ज्योति परस्ते, जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे, निर्माण एजेंसी सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

70 किलोमीटर दूर पहुंचकर अंजान मरीज को किया रक्तदान

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था एक बार फिर अपनी मानवीय सेवाओं के कारण चर्चा में है। संस्था के सक्रिय सदस्य एवं समाजसेवी ईश्वरलाल सेन ने यह साबित कर दिया कि सच्ची सेवा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। संस्था के व्हाट्सएप समूह के माध्यम से जैसे ही उन्हें एक जरूरतमंद मरीज के लिए रक्त की तत्काल आवश्यकता की जानकारी मिली, उन्होंने बिना किसी देर किए अपनी निजी गाड़ी से लगभग 70 किलोमीटर का सफर तय किया और अस्पताल पहुंचकर एक अंजान मरीज के लिए रक्तदान किया। उनका यह निस्वार्थ कदम मानवता, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। ईश्वरलाल सेन का मानना है कि राजनीति और सामाजिक जीवन से बढ़कर मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। उनका यह कार्य समाज के लिए एक प्रेरणा है कि यदि हर व्यक्ति जरूरत के समय आगे आए, तो किसी भी मरीज को रक्त के अभाव में परेशान नहीं होना पड़ेगा। बड़ावदा सेवा एवं रक्तदान संस्था ने ईश्वरलाल सेन के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि संस्था ऐसे समर्पित रक्तवीरों पर गर्व करती है, जो हर परिस्थिति में मानवता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

उज्जैन में तीन रथों पर नगर भ्रमण को निकले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा

इस्कॉन की रथयात्रा में 35 फीट ऊंचे नंदीघोष रथ पर विराजे जगन्नाथ- खाती समाज ने 100 वर्ष पुराने लकड़ी के रथ को खींचकर निभाई परंपरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की दो स्थानों से रथयात्रा पूरे धार्मिक उत्साह और भक्ति भाव के साथ निकाली गई। शहर की सड़कों पर जय जगन्नाथ के जयघोष, ढोल-नगाड़ों की गूंज, भजन-कीर्तन और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा नगर भ्रमण पर निकले। यात्रा मार्ग पर जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया।

धर्मनगरी उज्जैन गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्राओं की साक्षी बनी। इस्कॉन मंदिर और कार्तिक चौक स्थित जगदीश मंदिर से निकली रथयात्राओं में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे शहर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला। इस बार इस्कॉन मंदिर की रथयात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पहली बार भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा तीन अलग-अलग पारंपरिक रथों पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। भगवान बलभद्र तालध्वज रथ, देवी सुभद्रा दर्पदलन रथ और भगवान जगन्नाथ सबसे विशाल 35 फीट ऊंचे नंदीघोष रथ पर सवार हुए। तीनों रथों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान जगन्नाथ को इस अवसर पर विशेष शाही पोशाक धारण कराई गई। बंगाल के कुशल कारीगरों ने जापान से मंगाए गए विशेष धागों और मोतियों से करीब ढाई लाख रुपए की लागत से यह आकर्षक पोशाक तैयार की थी। भगवान का दिव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना रहा। इस्कॉन मंदिर से निकली रथयात्रा इंदिरा नगर से प्रारंभ होकर फ्रीगंज, टॉवर चौक सहित प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। यात्रा के दौरान भजन मंडलियों ने संकीर्तन किया, वहीं श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ रथ खींचते हुए भगवान के जयकारे लगाते रहे। कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं प्रसाद की व्यवस्था की।

वहीं कार्तिक चौक स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर से खाती समाज की पारंपरिक रथयात्रा भी श्रद्धा और परंपरा के साथ निकाली गई। इस यात्रा में प्रदेश के करीब 1200 गांवों से आए श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने करीब 100 वर्ष पुराने लकड़ी के पारंपरिक रथ को अपने हाथों से खींचकर वर्षों पुरानी धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया। रथयात्रा के दौरान शहर के प्रमुख मार्ग भक्तिमय माहौल में डूबे रहे। भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और पूरे नगर में आस्था, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मंगलनाथ मंदिर में शासकीय पूजन से 4.82 लाख की आय

2300 शासकीय रसीदें काटीं गईं, भूमि, धन, विवाह और मंगल दोष निवारण पूजन के लिए दिनभर उमड़े श्रद्धालु

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलनाथ मंदिर में भौम अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी। मंगलवार दिनभर पूजन-अर्चन का सिलसिला चलता रहा। शासकीय पूजन की 2300 रसीदों से मंदिर समिति को 4.82 लाख रुपए की रिकॉर्ड आय हुई।

भौम अमावस्या के अवसर पर मंगलनाथ मंदिर मेंसुबह 7 बजे आरती के बाद दोपहर 3.30 बजे तक भात पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के लिए यजमानों की लगातार भीड़ बनी रही। मंगलवार और भौम अमावस्या के शुभ संयोग के कारण भूमि प्राप्ति, धन लाभ, शीघ्र विवाह, मंगल दोष निवारण, यश और आरोग्य की कामना लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। मंदिर के विद्वान पंडितों और आचार्यों ने पूरे विधि-विधान से सभी पूजन संपन्न कराए। श्रद्धालुओं को कंप्यूटरीकृत और मैन्युअल शासकीय रसीदें जारी की गईं। मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार इस दिन कुल 2300 शासकीय रसीदें काटी गईं, जिनसे 4 लाख 82 हजार 500 रुपए की आय हुई। यह मंदिर समिति के इतिहास में एक दिन में हुई सबसे अधिक शासकीय आय का नया रिकॉर्ड है। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक के.के. पाठक ने बताया कि समिति के अधिकारियों की निगरानी में व्यवस्थाएं सुचारु रहीं। दिव्यांग और असहाय श्रद्धालुओं के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था भी की गई, जिससे उन्हें आसानी से भगवान मंगलनाथ के दर्शन कराए गए। उन्होंने बताया कि मंदिर के शिखर निर्माण का कार्य भी उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से तेजी से कराया जा रहा है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा तकनीकी समिति में मध्य प्रदेश को मिला महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश ने विद्युत क्षेत्र की साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नेशनल क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) तथा क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (क्यूसीआई) द्वारा विद्युत क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना (क्रिटिकल इन्फॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर-सीआईआई) के संरक्षण एवं सुरक्षा मूल्यांकन के लिए अनुरूपता मूल्यांकन ढांचा (कॉनफॉर्मिटी असेसमेंट फ्रेमवर्क-सीएएफ) विकसित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी समिति का गठन किया गया है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी), जबलपुर में पदस्थ अतिरिक्त मुख्य अभियंता आदी।

चंद घंटो में लूट की तीन वारदात करने वाले बदमाश हिरासत में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूटी पर सवार होकर तीन बदमाशों ने मंगलवार रात चंद घंटे में तीन लूट की वारदात को अंजाम दिया था। 24 घंटे की तलाश के बाद पुलिस में तीनों को हिरासत में ले लिया है। दो उज्जैन के रहने वाले हैं एक भोपाल का निवासी है। तीनों से लूटी गई चैन मोबाइल और घड़ी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। संभावना है कि जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

नीलगंगा थाना क्षेत्र सुभाषनगर स्थित ओम रेसीडेंसी में रहने वाला तुषार पिता मुकेश किशनानी फाजलपुरा में इलेक्ट्रॉनिक बाइक की दुकान संचालित करता है। मंगलवार रात 10.30 बजे वह अपने छोटे भाई कृष्णा और मां भावना किशनानी के साथ रेसीडेंसी के सामने गार्डन के पास टहल रहा था। उसी दौरान स्कूटी पर सवार 3 बदमाश आये और तुषार के हाथ पर झपटा मारकर मोबाइल छीनने का प्रयास किया। मोबाइल जमीन पर गिर गया। तीनों आगे निकल गये, वह कुछ समझ पाते तीनों वापस लौटे और एक बदमाश ने चाकू निकाल लिया। उसने तुषार के भाई कृष्णा को जान से मारने की धमकी देकर गले से चेन और हाथ की घड़ी देने का बोला। बदमाशों का विरोध किया तो दूसरे बदमाश ने कृष्णा पर कड़े से हमला कर दिया और गिरा दिया। बदमाशों ने चाकू दिखाकर मारने की धमकी दी और कृष्णा के हाथ से घड़ी और चेन लूटकर भाग निकले। घटनाक्रम के बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बदमाशों की स्कूटी पर नम्बर नहीं था। पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू की क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू किये। तीनों बदमाशों ने सुभाष नगर में वारदात करने से पहले शास्त्रीनगर में अशोक धनवानी के गले से चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। यहीं अलखधाम नगर में शुभम सेन नामक बदमाश से मोबाइल छीनकर भाग निकले थे। बताया जा रहा है कि 24 घंटे बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में ले लिया जिसे लूट का सामान बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। तीनों बदमाशों की उम्र 18 साल के लगभग है। पुलिस उनके बालिग और नाबालिग होने की पुष्टि कर रही है।

चलती मेमू ट्रेन में सीट को लेकर बवाल, गुत्थमगुत्था करते-करते दरवाजे से नीचे गिरे दो यात्री

रतलाम-नागदा मेमू का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, एक युवक के नशे में होने का दावा- जीआरपी ने कहा, घटना की जांच शुरू, अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम-नागदा मेमू ट्रेन में दो यात्रियों के बीच सीट पर बैठने को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक मारपीट में बदल गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों यात्री गुत्थमगुत्था करते हुए ट्रेन के दरवाजे तक पहुंच जाते हैं और हाथापाई के दौरान संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर जाते हैं। हालांकि, जीआरपी ने घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और वीडियो की जांच शुरू कर दी है।

रतलाम-नागदा मेमू ट्रेन में दो यात्रियों के बीच हुई मारपीट का एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों यात्री एक-दूसरे से उलझते हुए ट्रेन के दरवाजे तक पहुंच जाते हैं। गुस्से में दोनों इस कदर आपा खो बैठते हैं कि हाथापाई करते-करते चलती ट्रेन से नीचे गिर जाते हैं। यह नजारा देखकर डिब्बे में बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच जाती है।

सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावे के अनुसार घटना बुधवार रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच रतलाम से नागदा जा रही मेमू ट्रेन में हुई। बताया जा रहा है कि दोनों यात्रियों के बीच सीट पर बैठने को लेकर पहले कहासुनी हुई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ट्रेन के गेट तक पहुंच गए और धक्का-मुक्की के दौरान संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर पड़े।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डिब्बे में मौजूद अन्य यात्रियों ने दोनों को शांत कराने और अलग करने का प्रयास किया, लेकिन दोनों किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। वीडियो बनाने वाले व्यक्ति का दावा है कि घटना खाचरोद रेलवे स्टेशन के पास हुई। यह भी दावा किया जा रहा है कि झगड़ा कर रहे युवकों में से एक नशे की हालत में था। हालांकि, इस दावे की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार दोनों यात्रियों के सिर में मामूली चोटें आईं। गंभीर चोट नहीं होने और आपसी समझौते के कारण किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई।

उधर, जीआरपी का कहना है कि उनके पास इस तरह की किसी घटना की कोई आधिकारिक सूचना नहीं पहुंची है। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि वायरल वीडियो कब और कहां का है तथा उसमें दिखाई दे रहे दोनों युवकों की पहचान क्या है। फिलहाल वायरल वीडियो ने रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा और चलती ट्रेन में बढ़ती मारपीट की घटनाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह के विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में लेने के बजाय तत्काल रेलवे पुलिस या संबंधित अधिकारियों को सूचना दें।

अपार आईडी बनाने में उज्जैन 90 प्रतिशत उपलब्धि के साथ प्रदेश में प्रथम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी विद्यालय प्रदर्शन मूल्यांकन-2024-25 में जिले को 323 अंक के साथ प्रचेष्टा-1 श्रेणी मिली है।

इस उपलब्धि के साथ उज्जैन ने मध्यप्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है, जबकि विद्यार्थियों के अपार आईडी निर्माण में करीब 90 प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान बनाया है।

विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता परखने के लिए भारत सरकार द्वारा जारी प्रदर्शन मूल्यांकन में उज्जैन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस मूल्यांकन में विद्यार्थियों के सीखने के स्तर, स्कूलों की आधारभूत सुविधाएं, शिक्षकों की उपलब्धता और प्रशिक्षण, समावेशी शिक्षा, डिजिटल शिक्षा, सुशासन, विद्यालय प्रबंधन तथा प्रशासनिक कार्यों जैसे कई मानकों पर जिले का आकलन किया गया।

इन सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन के कारण उज्जैन को 323 अंक प्राप्त हुए और जिले ने 'प्रचेष्टा-1' श्रेणी में स्थान बनाया। प्रदेश में केवल सीधी जिला उज्जैन से आगे रहा।

अपार आईडी बनाने में प्रदेश में अव्वल- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रत्येक विद्यार्थी को डिजिटल शैक्षणिक पहचान देने के लिए चलाए गए अभियान में भी उज्जैन ने नया कीर्तिमान बनाया। जिले के 3 लाख 75 हजार 173 विद्यार्थियों में से 3 लाख 36 हजार 299 विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार की गई। लगभग 90 प्रतिशत उपलब्धि के साथ उज्जैन इस अभियान में पूरे मध्यप्रदेश में पहले स्थान पर रहा।

राजगढ़ की महिला का पुलिस ने खोज निकाला पर्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजगढ़ से आई महिला का छत्री चौक पर पर्स गुम गया। उसमें आभूषण और नगद रूपये रखे थे। खाराकुआ पुलिस को पर्स गुम होने की खबर मिली तो चंद घंटों में पर्स खोज निकाला और महिला को वापस लौट दिया।

खाराकुआ थाना प्रभारी लक्ष्मणसिंह देवड़ा ने बताया कि गुरूवार को निकलने वाली भगवान जगन्नाथ यात्रा को लेकर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने की तैयारी की जा रही थी। उसी दौरान खबर मिली कि राजगढ़ की भंवर कालोनी में रहने वाली श्रद्धा पतिरवि श्रीवास्तव उज्जैन आई हुई है। उनका छत्रीचौक क्षेत्र में पर्स गुम हो गया है।

जिसमें सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी और नगद रूपये रखे है। महिला पर्स गुम होने के बाद से काफी परेशान है। पुलिस तत्काल छत्री चौक पहुंची और महिला से जानकारी प्राप्त कर उनके आने वाले रास्ते का मूवमेंट पता किया, उसके बाद तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी कैमरों की मदद से पर्स की तलाश शुरू की गई। चंद घंटो में तकनीकी साक्ष्य से गुम पर्स खोज लिया गया। उसमें रखे 4 हजार रूपये, मंगलसूत्र, अंगूठी और दस्तावेज सुरक्षित मिले। महिला को थाने बुलाकर पर्स सुपुर्द किया गया है। पर्स मिलने पर महिला द्वारा पर्स खोजने वाले पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया गया।

उज्जैन में बनेगा विश्वस्तरीय फॉरेस्ट जू

200 हेक्टेयर में बसेंगे देश-विदेश के 300 से अधिक वन्यजीव- 35 मीटर चौड़े ग्रीन ओवरब्रिज और ड्राइव-थ्रू सफारी होगी खास पहचान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ से पहले उज्जैन शहर के नवलखी आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 200 हेक्टेयर भूमि पर विश्वस्तरीय फॉरेस्ट जू विकसित किया जाएगा। यह जू आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जहां पर्यटक वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक वातावरण में करीब से देख सकेंगे। वन विभाग का दावा है कि यह देश के सबसे आधुनिक और अनोखे फॉरेस्ट जू में शामिल होगा।

उज्जैन वन मंडल के डीएफओ अनुराग तिवारी के अनुसार, फॉरेस्ट जू में 300 से अधिक वन्यजीव प्रजातियों को रखने की योजना बनाई गई है। परियोजना के प्रस्ताव को केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति के लिए प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा गया है। परियोजना को दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहले चरण में करीब 60 हेक्टेयर क्षेत्र में %इंडिया ज़ोन% तैयार होगा। इसमें केवल भारत में पाए जाने वाले वन्यजीवों को प्राकृतिक वातावरण में रखा जाएगा। पर्यटकों के लिए ड्राइव-थ्रू सफारी, खुले प्राकृतिक बाड़े और आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि उन्हें जंगल जैसा वास्तविक अनुभव मिल सके। दूसरे चरण में फॉरेस्ट ऑफ द वर्ल्ड% थीम पर काम किया जाएगा। इसमें अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण-पूर्व एशिया के वन्यजीवों को शामिल किया जाएगा। इससे यह फॉरेस्ट जू राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का आकर्षण बनेगा। परियोजना की सबसे खास बात यह होगी कि उज्जैन फोरलेन और पंचकोशी मार्ग से दो हिस्सों में बंटने वाले जू क्षेत्र को जोड़ने के लिए 35 मीटर चौड़ा ग्रीन ओवरब्रिज और अंडरपास बनाया जाएगा। इस ओवरब्रिज पर पैदल पर्यटकों और बैटरी से चलने वाली इलेक्ट्रिक सफारी के लिए अलग-अलग मार्ग होंगे। पूरे ब्रिज पर घने पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, जिससे वन्यजीवों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी और पर्यटकों को भी प्राकृतिक जंगल जैसा अनुभव मिलेगा। वन विभाग का मानना है कि फॉरेस्ट जू बनने से उज्जैन की पहचान केवल धार्मिक नगरी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह वन्यजीव पर्यटन का भी बड़ा केंद्र बनेगा। सिंहस्थ-2028 के दौरान यहां आने वाले लाखों श्रद्धालु और पर्यटक भी इस विश्वस्तरीय फॉरेस्ट जू का आनंद ले सकेंगे।

एनडीआरएफ ने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम में छात्रों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 11वीं बटालियन की उप-टीम ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-02, महाराजवाड़ा में एक दिवसीय स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम (एसएसपी) का आयोजन किया। निरीक्षक/जीडी श्रीनिवास मीना के नेतृत्व में छह सदस्यीय टीम ने छात्रों एवं शिक्षकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करते हुए आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव और जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन, एनडीआरएफ की भूमिका, सीपीआर (CPR), एफबीएओ (FBAO), रक्तस्राव नियंत्रित करना, ड्रेसिंग एवं बैंडेजिंग, इम्प्रोवाइज्ड स्ट्रेचर बनाना, घायलों को सुरक्षित स्थान तक ले जाने के तरीके तथा फ्लोटिंग डिवाइस के उपयोग का प्रदर्शन किया गया।

भूकंप ड्रिल, अग्निशमन और सुरक्षा ऐप्स की दी जानकारी- कार्यक्रम के दौरान भूकंप ड्रिल, सांप के काटने पर प्राथमिक उपचार (PHT), आकाशीय बिजली से बचाव तथा फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग की जानकारी भी दी गई। साथ ही दामिनी, फ्लड वॉच और सचेत मोबाइल ऐप्स के बारे में भी छात्रों को अवगत कराया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजय तिवारी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में स्टाफ सदस्य तथा विद्यार्थि उपस्थित थें।

श्रवण नक्षत्र से होगा सावन का शुभारंभ, चारों सोमवार बनेंगे दुर्लभ योगों के साक्षी-30 जुलाई से 28 अगस्त तक शिव आराधना का विशेष संयोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस बार सावन का महीना कई दुर्लभ और शुभ ज्योतिषीय संयोगों के साथ शुरू होगा। 30 जुलाई से प्रारंभ हो रहे श्रावण मास का आरंभ श्रवण नक्षत्र, आयुष्मान योग और सौभाग्य योग में होगा। खास बात यह है कि सावन के चारों सोमवार भी अलग-अलग शुभ संयोग लेकर आएंगे, जिससे पूरे माह भगवान शिव की आराधना का महत्व और अधिक बढ़ जाएगा।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार इस वर्ष सावन का आरंभ अत्यंत शुभ माना जा रहा है। 30 जुलाई को श्रवण नक्षत्र की साक्षी में श्रावण मास की शुरुआत होगी। इस दिन आयुष्मान और सौभाग्य जैसे मंगलकारी योग बनने से भगवान शिव की पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जाप और शिव आराधना का विशेष फल मिलने की मान्यता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस पूरे महीने में किए गए धार्मिक अनुष्ठान कई गुना अधिक फलदायी माने जाते हैं।

चारों सोमवार रहेंगे खास- सावन के प्रत्येक सोमवार का अपना अलग महत्व रहेगा।

3 अगस्त = पहला सोमवार आयुष्मान योग में रहेगा, जो स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

10 अगस्त = दूसरा सोमवार सोम प्रदोष के विशेष संयोग में आएगा। शिव पूजा और व्रत के लिए इसे अत्यंत शुभ माना गया है।

17 अगस्त = तीसरा सोमवार नागपंचमी के साथ रहेगा। कालसर्प दोष निवारण और विशेष मनोकामना पूर्ति के लिए यह दिन महत्वपूर्ण रहेगा।

24 अगस्त = चौथा और अंतिम सोमवार शिव कृपा प्राप्त करने तथा जीवन की बाधाओं से मुक्ति के लिए विशेष फलदायी माना गया है।

पूरे सावन करें शिव आराधना- धर्माचार्यों के अनुसार 30 जुलाई से 28 अगस्त तक प्रतिदिन श्रद्धा और विधि-विधान से भगवान शिव की उपासना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होने, स्वास्थ्य लाभ, पारिवारिक सुख और सौभाग्य में वृद्धि का योग बनता है। शिवलिंग पर जलाभिषेक, बेलपत्र अर्पित करना, महामृत्युंजय मंत्र का जाप और ? नमः शिवाय का नियमित जप इस माह विशेष फलदायी माना गया है।

श्रद्धालुओं में उत्साह- इस बार सावन का महीना शुभ ग्रह-नक्षत्रों के दुर्लभ संयोग के कारण श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसे योग वर्षों बाद बनते हैं, इसलिए शिव भक्त पूरे सावन में व्रत, पूजा और शिवालयों में दर्शन के लिए विशेष तैयारियां कर रहे हैं।

केबल चोरी करने आये बदमाशों को ग्रामीणों ने घेर कर पीटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रात को ग्रामीण क्षेत्र में खेतों से पानी की मोटर और केबल चोरी करने पहुंचे दो बदमाशों को गांव वालों ने घेर लिया और पूरी तरह से मारपीट की। दोनों बदमाश घायल हुए हैं। पुलिस अभिरक्षा में बडनगर से उपचार के लिए उज्जैन लेकर आई है। बताया जा रहा है कि बड़नगर के ग्राम गाजीखेड़ी और दोतरु के बीच आधी रात को दो बदमाश खेतों में लगी पानी की मोटर और केबल चोरी करने के लिए पहुंचे थे। बदमाशों ने एक खेत से हजारों रुपए कीमत की केबल काटकर चोरी कर ली थी। दोनों बदमाश दूसरी वारदात का प्रयास कर रहा थे इस दौरान गांव वालों को खेतों में चोरों के आने की जानकारी लगी और उन्होंने लाठी डंडों के साथ घेराबंदी कर दी। गाजी खेड़ी से दोनों बदमाशों को पकड़ लिया गया जिनके साथ गांव वालों ने जमकर मारपीट की। मामले की जानकारी लगने पर बड़नगर थाना पुलिस की टीम गाजीखेड़ी पहुंची और दोनों बदमाशों को हिरासत में लिया गया मारपीट में दोनों को काफी चोट लगी थी उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां से अभिरक्षा में चरक अस्पताल उज्जैन लाया गया है। बडनगर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। बदमाशों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया जाएगा वहीं उनके साथ मारपीट करने ग्रामीणों पर जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

14 साल के बालक ने लगाई फांसी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 साल के बालक ने बुधवार देर शाम घर में फांसी लगा ली परिजन उसे फंदे तो उतार कर उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गुरुवार सुबह अस्पताल पुलिस चौकी ने पोस्टमार्टम कराया है। इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम कांथरखेड़ी में रहने वाले 14 वर्षीय प्रीतम पिता सुरेश केवट को परिवार देर शाम चरक अस्पताल लेकर पहुंचा था। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि घर में फांसी लगाई थी। मामला पुलिस कार्रवाई से जुड़ा होने पर अस्पताल चौकी पुलिस को सूचना दी गई। सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों ने बताया कि प्रीतम कक्षा आठवीं तक पढ़ा था उसके बाद उसने स्कूल जाना छोड़ दिया था। उसकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं थी, वह परिवार के साथ खेतों में काम करता था। घटना के समय घर पर कोई नहीं था भाई सुभाष के पहुंचने पर वह फंदे पर लटका मिल था।

दुर्घटना में 7 साल की मासूम की मौत, पिता-बहन घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात चिंतामण मार्ग पर दुर्घटना में 7 साल की मासूम की मौत हो गई। दुर्घटना में पिता और मासूम के भाई-बहन घायल हुए हैं। अज्ञात वाहन से हुई दुर्घटना के बाद पुलिस मामले की जांच कर वाहन का पता लगाने के लिए दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देख रही है।

धार के उमराव वन का रहने वाला कहार परिवार शहर में चल रहे सिंहस्थ निर्माण कार्यों में मजदूरी के लिए आया हुआ है। परिवार का अनिल कहार और उसकी पत्नी वर्तमान में सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए हैं। उनके तीन बच्चे रोशनी 7 साल, हिमांशी 8 साल और पुत्र मुरली 10 साल पीथमपुर में रिश्तेदारों के यहां रहकर पढ़ाई करते हैं। अनिल कहार अपने बच्चों को मां से मिलाने के लिए कुछ दिनों में उज्जैन ले आता था। बुधवार को भी वह पीथमपुर से तीनों बच्चों को उज्जैन लेकर आ रहा था। इस दौरान चिंतामण मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में तीनों बच्चे और पिता घायल हो गए। उन्हें चरक अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने रोशनी को मृत घोषित कर दिया। पिता के साथ पुत्री हिमांशी और पुत्र मुरली घायल थे जिन्हें उपचार के लिए भर्ती किया गया है। चिंतामण थाना पुलिस ने गुरुवार को मृतक मासूम बालिका का पोस्टमार्टम कराया।

धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालनालय धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, मध्यप्रदेश, उज्जैन द्वारा गत दिवस को उज्जैन संभाग की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन संधारित देवस्थानों के प्रबंधन, जीर्णोद्धार कार्यों, पुजारियों के मानदेय तथा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। संचालक धर्मस्व श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार संचालनालय के संयुक्त संचालक डॉ. पी.एस. मालवीय ने उपस्थित अधिकारियों के साथ विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।